प्रधान संपादक : शिव श्रीवास्तव

रांची संस्करण

सोमवार 01 जुलाई 2024

● वर्ष 02 ● अंक 142

● पृष्ठ 8 ● मूल्य 2/- रुपया

37 वर्ष 1987-2023

श्रमेव जयते, स्पष्टमेव जयते

श्रमबिन्दु

रांची, धनबाद, भिलाई एवं बस्तर से एक साथ प्रकाशित दैनिक समाचार पत्र

डाक पंजीयन क्रं. छ. ग. / दुर्ग/ 13/ 2021– 23 | E-mail : shrambindu@gmail.com | shrambindu@yahoo.in | आर.एन.आई. पंजी. क्रं. 54135/88

मुख्यमंत्री और पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने भोगनाडीह पहुंचकर सिदो कन्हू को श्रद्धांजलि दी

झारखंड के खनिज संसाधनों पर आदिवासियों मूलवासियों का पहला अधिकार : चंपई सोरेन

रांची ।

हूल जोहार। झारखंड ने रविवार को अपने अमर नायको सिदो कान्हू कोशिद्दत से याद किया। 1855 में आज ही के दिन भोगनाडीह से अमर वीर शहीद सिदो कान्हू के नेतृत्व में आदिवासियों ने अन्याय, शोषण और ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ बिगुल फूंका था। आज पूरा देश अपने इन महानायकों को नमन कर रहा है। यह प्रेरणा दिवस है। हम सभी अपने अमर शहीद सिदो कान्हू, चांद- भैरव और फूलो -झानो के इतिहास, संघर्ष और बलिदान से प्रेरणा लेकर अपने समाज और राज्य को मजबूत बनाने का संकल्प लें। उनके आदर्शों के अनुरूप झारखंड को संवारना ही उनको सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

मुख्यमंत्री श्री चम्पाई सोरेन आज हूल दिवस के अवसर पर अमर वीर शहीद सिदो- कान्हू की पावन धरती पर आयोजित समारोह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड वीरों और शहीदों की धरती है। इस प्रदेश के कोने-कोने से अनेकों महानायक निकले हैं, जिन्होंने अन्याय -शोषण तथा गुलामी को स्वीकार नहीं किया। उन्होंने अपनी भाषा, संस्कृति, परंपरा, सभ्यता और जल, जंगल, जमीन बचाए रखने के लिए लम्बा संघर्ष किया। ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ उलगुलान कर अंग्रेजों की जड़े हिला दी। अपने संकल्प पर अडिग रहते हुए शहीद हो गए। इन पूर्वजों के बलिदान का परिणाम है कि आज आदिवासी-मूलवासी सुरक्षित हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले साढ़े चार वर्षों में झारखंड में सकारात्मक बदलाव देखने को मिल रहा है । हमारी सरकार की नीतियों कार्यक्रमों और योजनाओं से राज्य विकास की राह पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। हमारी योजनाएं घर-घर तक पहुंच रही हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वारा अभियान के दौरान लाखों आवेदन हमें मिले इन आवेदनों के माध्यम से हमें जनता की विभिन्न समस्याओं की पूरी गहराई से जानकारी मिली। लोगों की समस्याओं के आधार पर ही हम योजनाओं को बना रहे हैं, ताकि इसका लाभ हर किसी को मिल सके।

● आर्थिक- सामाजिक और शैक्षणिक दृष्टिकोण से राज्य को कर रहे मजबूत :

मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड तभी आगे बढ़ेगा, जब यहां की आर्थिक सामाजिक और शैक्षणिक व्यवस्था मजबूत होगी। इसी सोच के साथ हमारी सरकार कार्य कर रही है।

आदिवासियों मूलवासियों, गरीबों, मजदूरों, दलितों, पिछड़ो और अल्पसंख्यकों को सशक्त बना रहें हैं। अपनी इन व्यवस्थाओं को मजबूत कर ही हम राज्य को नई दिशा और दशा दे सकते हैं।

● झारखंड के खनिज संसाधनों पर आदिवासियों मूलवासियों का पहला अधिकार :

मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड में खनिज और प्राकृतिक संसाधनों की भरपूरता है। इस लिहाज से झारखंड काफी धनी है, लेकिन यहां के लोग आज भी गरीब हैं। यहां के खनिज संसाधनों से दूसरे राज्य आगे बढ़ रहे हैं लेकिन झारखंड पिछड़ा राज्य में ही गिना जाता है। अब इसमें बदलाव देखने को मिल रहा है। हमारी सरकार ने संकल्प लिया है कि झारखंड को विकसित राज्य बनाना है।

● हर क्षेत्र के लिए राज्य सरकार की है योजनाएं :

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार सरकार की अनेकों योजनाएं हैं जिसका लाभ यहां के लोगों को मिल रहा है । चाहे शिक्षा का क्षेत्र हो या स्वास्थ्य, रोजगार, कृषि, सिंचाई, पशुपालन, उद्योग,खेल या और कोई सेक्टर हर किसी के लिए योजनाएं हैं आप इन योजनाओं से जुड़े और अपने को सशक्त बनाने के साथ राज्य के विकास में भागीदार बनें।

● 396 योजनाओं की मिली सौगात :

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर 29026.745 लाख रुपए की कुल 396 योजनाओं का उद्घाटन - शिलान्यास किया इसमें 11284.854 लाख रुपए की 165 योजनाओं का उद्घाटन और 17741.731 लाख रुपए की 231 योजनाओं की आधारशिला रखी। इस मौके पर उन्होंने कुल 37212 लाभुकों के बीच 9289.745 लाख रुपए की परिसंपत्तियां बांटी। इस अवसर पर मंत्री श्री बसंत सोरेन, सांसद श्री विजय कुमार हांसदा, विधायक श्री स्टीफन मरांडी, विधायक श्रीमती दीपिका पाण्डेय सिंह , विधायक श्रीमती कल्पना सोरेन,पूर्व मंत्री श्री हेमलाल मुर्मू, जिला परिषद अध्यक्ष श्रीमती मोनिका किस्कू, आयुक्त संथाल परगना प्रमंडल श्री लालचंद डाडेल, पुलिस उप महानिरिक्षक श्री संजीव कुमार और साहिबगंज जिले के उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक समेत कई पदाधिकारी मौजूद थे।

अपनी अस्मिता और पहचान को खोने नहीं देंगे :

इस अवसर पर पूर्व मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन ने राज्यवासियों को हूल दिवस की बधाई दी । कहा–हम वर्षों से हूल दिवस मनाते चले आ रहे हैं ।

आज इस अवसर पर संकल्प लेकर राज्य के विकास में जो भी चुनौतियां सामने आएगी उसका मुकाबला पूरी ताकत के साथ किया जाएगा। हमें अपने हक और अधिकार को हर हाल में लेना है और इसके खिलाफ साजिश रचनेवालों को जवाब देना है। हमें जल– जंगल और जमीन को हर हाल में बचाना है, क्योंकि इसी की खातिर हमारे पूर्वजों ने बलिदान दी थी। हम अपनी अस्मिता और पहचान को किसी कीमत पर मिटने नहीं देंगे। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले चार वर्षों में हमने झारखंड में बदलाव लाने का काम किया है। अब सरकार हेडक्वार्टर से नहीं बल्कि गांव से चलती है। हमारी योजनाएं धरातल पर उतरती है जिसका लाभ समाज का अंतिम पंक्ति का व्यक्ति भी उठा रहा है। युवाओं को रोजगार देने के क्षेत्र में भी सरकार कई कदम उठाए हैं। झारखंड की संपदा में पहला हक झारखंड वासियों का है। इसी सोच के साथ राज्य सरकार आगे बढ़ रही है।

न्यूज़ अपडेट

इतिहास में पहली बार दो क्लासमेट के हाथ में होगी सेना की कमान

● एडमिरल त्रिपाठी के बाद अब आर्मी चीफ की कमान संभालेंगे उपेंद्र द्विवेदी

नई दिल्ली/एजेंसी। भारतीय सेना के लेफ्टिनेंट जनरल उपेंद्र द्विवेदी आज से सेना प्रमुख का अपना नया पदभार संभालेंगे। इसमें खास बात यह है कि इतिहास में ऐसा पहली बार होने जा रहा है जब दो क्लासमेट अपने-अपने सेनाओं के प्रमुख की जिम्मेदारी संभालेंगे। बता दें, लेफ्टिनेंट जनरल उपेंद्र द्विवेदी और एडमिरल दिनेश त्रिपाठी आर्मी और नेवी के चीफ होंगे।

जानकारी के मुताबिक नौसेना चीफ एडमिरल दिनेश त्रिपाठी और नामित सेना प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल उपेंद्र द्विवेदी मध्य प्रदेश के सैनिक स्कूल रीवा में 5वीं क्लास में एक साथ पढ़ते थे।

स्कूल टाइम से ही इन दोनों लोगों में काफी अच्छी दोस्ती है। वहीं सेना के अलग-अलग अंगों में जिम्मेदारी संभालने के बावजूद यह लोग हमेशा संपर्क में रहे। जानकारी के मुताबिक इनके रोल नंबर भी आसपास ही थे। जिसमें लेफ्टिनेंट जनरल उपेंद्र द्विवेदी का रोल नंबर 931 और एडमिरल दिनेश त्रिपाठी का 938 था।

जानकारी के मुताबिक एक रक्षा अधिकारी ने बताया कि सेना में अधिकारियों के बीच मजबूत दोस्ती सेनाओं के बीच बेहतर तालमेल को और मजबूत करती है। रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता ए भारत भूषण बाबू ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि दो छात्रों को ट्रेनिंग देने का यह सम्मान, जो 50 साल बाद अपनी-अपनी सेनाओं का प्रमुख बनेंगे, रीवा के सैनिक स्कूल को जाता है।

देश में आज से नए आपराधिक कानून होंगे लागू

नई दिल्ली/एजेंसी

देशभर में सोमवार से तीन नए आपराधिक कानून लागू हो जाएंगे, जिससे भारत की आपराधिक न्याय प्रणाली में व्यापक बदलाव आएंगे और औपनिवेशिक काल के कानूनों का अंत हो जाएगा. भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम ब्रिटिश काल के क्रमशः भारतीय दंड संहिता, दंड प्रक्रिया संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम का स्थान लेंगे. नए कानूनों से एक आधुनिक न्याय प्रणाली स्थापित होगी जिसमें 'जीरो एफआईआर', पुलिस में ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराना, 'एसएमएस' (मोबाइल फोन पर संदेश) के जरिये समन भेजने जैसे इलेक्ट्रॉनिक माध्यम और सभी जघन्य अपराधों के वारदात स्थल की अनिवार्य वीडियोग्राफी जैसे प्रावधान शामिल होंगे.

» अब होंगी 358 धाराएं

भारतीय दंड संहिता में 511 धाराएं थीं, लेकिन भारतीय न्याय संहिता में धाराएं 358 हैं. दरअसल 'ओवरलैप' धाराओं का आपस में विलय कर दिया गया तथा उन्हें सरलीकृत किया गया है. जिससे भारतीय दंड संहिता की 511 धाराओं के मुकाबले इसमें केवल 358 धाराएं होंगी.

'जीरो एफआईआर' से अब कोई भी व्यक्ति किसी भी पुलिस थाने में प्राथमिकी दर्ज करा सकता है, भले ही अपराध उसके अधिकार क्षेत्र में नहीं हुआ हो. इससे कानूनी कार्यवाही शुरू करने में होने वाली देरी खत्म होगी और मामला तुरंत दर्ज किया जा सकेगा.

» 45 दिन के भीतर आएगा फैसला

नए कानूनों के तहत आपराधिक मामलों में फैसला मुकदमा पूरा होने के 45 दिन के भीतर आएगा और पहली सुनवाई के 60 दिन के भीतर आरोप तय किए जाएंगे. दुष्कर्म पीड़िताओं का बयान कोई महिला पुलिस अधिकारी उसके अभिभावक या रिश्तेदार की मौजूदगी में दर्ज करेगी और मेडिकल रिपोर्ट सात दिन के भीतर देनी होगी. नए कानूनों में संगठित अपराधों और आतंकवाद के कृत्यों को परिभाषित किया गया है, राजद्रोह की जगह देशद्रोह लाया गया है और सभी तलाशी तथा जब्ती की कार्रवाई की वीडियोग्राफी कराना अनिवार्य कर दिया गया है.

» बच्चों को खरीदना, होगा बेचना जघन्य अपराध

महिलाओं और बच्चों के खिलाफ अपराधों पर एक नया अध्याय जोड़ा गया है, किसी बच्चे को खरीदना और बेचना जघन्य अपराध बनाया गया है और किसी नाबालिग से सामूहिक दुष्कर्म के लिए मृत्युदंड या उम्रकैद का प्रावधान जोड़ा गया है.

बदल गई आईपीसी की इन धाराओं की पहचान

जुर्म	आईपीसी	भारतीय न्याय संहिता
देशद्रोह	धारा 124	धारा 152
गैर-कानूनी सभा	धारा 144	धारा 189
हत्या	धारा 302	धारा 101
हत्या का प्रयास	धारा 307	धारा 109
दुष्कर्म	धारा 376	धारा 63
मानहानि	धारा 399	धारा 356
ठगी	धारा 420	धारा 316

● एक जुलाई से यह कानून मानन्य होगा। देश का तीन कानून में हुआ बदलाव, सड़क दुर्घटना में यदि आप घायल को अस्पताल नहीं ले जाते हैं, पुलिस को सूचना नहीं देते हैं वाहन चालक को सीधे दस साल की सजा।

संताल परगना में आदिवासियों का अस्तित्व संकट में, एसआईटी जांच हो : बाबूलाल मरांडी

श्रमबिन्दु साथी।

बाबूलाल मरांडी ने कहा है कि संताल परगना में आदिवासियों का अस्तित्व संकट में है। पिछले 75 साल में वहां की डेमोग्राफी पूरी तरह बदल गयी है। यदि यही स्थिति रही, तो अगले 25 साल में संताल परगना से आदिवासियों का अस्तित्व मिट जायेगा। उन्होंने संताल में आदिवासियों की घटती आबादी के कारणों की जांच एसआइटी से कराने की मांग राज्य सरकार से की है।

संथाल परगना जनसंख्या 1951-2011

वर्ष	कुल जनसंख्या	आदिवासी	मुस्लिम	अन्य
1951	2322092	1037167 (44.67%)	219240 (9.44%)	1065685 (45.9%)
1961	2675203	1022970 (38.24%)	368331 (13.77%)	1283902 (48.0%)
1971	3186908	1154298 (36.22%)	466034 (14.62%)	1566576 (49.2%)
1981	3717528	1368051 (36.80%)	611162 (16.44%)	1738315 (46.8%)
1991	4591092	1463937 (31.89%)	837707 (18.25%)	2289448 (49.9%)
2001	5602365	1675419 (29.90%)	1153309 (20.59%)	2773637 (49.5%)
2011	6969097	1959133 (28.11%)	1584288 (22.73%)	3425676 (49.2%)

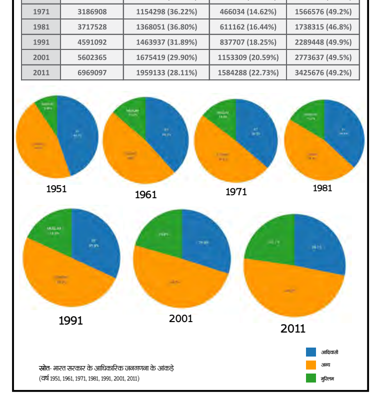

स्रोत- भारत सरकार के आधिकारिक जनगणना के आंकड़े
(वर्ष 1951, 1961, 1971, 1981, 1991, 2001, 2011)

जिला- पाकुड़

वर्ष- 2001
कुल जनसंख्या- 7 लाख 2 हजार
आदिवासी - 3 लाख 12 हजार 838 (46.64%)
मुस्लिम- 2 लाख 17 हजार 962 (32.74%)

वर्ष- 2011
कुल जनसंख्या- 9 लाख 422
आदिवासी - 3 लाख 79 हजार 54 (42.1%)
मुस्लिम- 3 लाख 22 हजार 963 (35.87%)

जिला- साहेबगंज

वर्ष- 2001
कुल जनसंख्या- 9 लाख 27 हजार 770
आदिवासी - 2 लाख 70 हजार 423 (29%)
मुस्लिम- 2 लाख 59 हजार 775 (28%)

वर्ष- 2011
कुल जनसंख्या- 11 लाख 50 हजार 567
आदिवासी - 3 लाख 8 हजार 343 (26.8%)
मुस्लिम- 3 लाख 98 हजार 243 (34.61%)

बाबूलाल मरांडी ने 1951 से 2011 तक की जनगणना के आंकड़ों के हवाले से कहा कि 1951 में संताल में आदिवासियों की आबादी 44.67 प्रतिशत थी, जबकि मुस्लिम 9.44 प्रतिशत और अन्य 45.9 प्रतिशत थे।

1961 में आदिवासी आबादी घट कर 38.24 प्रतिशत हो गयी, जबकि मुस्लिम आबादी बढ़ कर 13.77 प्रतिशत हो गयी। 1971 में आदिवासी आबादी फिर घट कर 36.22 फीसदी हो गयी, जबकि मुस्लिम बढ़ कर 14.62 फीसदी
हो गये। 1981 में आदिवासी आबादी थोड़ी बढ़ी और 36.80 फीसदी हुई, लेकिन मुस्लिम आबादी 16.44 फीसदी हो गयी। यह सिलसिला 1991 में भी जारी रहा, जब आदिवासी आबादी घट कर 31.89 फीसदी हो गयी और मुस्लिम आबादी बढ़ कर 18.25 फीसदी हो गयी। 2001 में संताल में आदिवासी 29.90 फीसदी हो गये, जबकि मुस्लिम 20.59 प्रतिशत हो गये। 2011 में आदिवासी आबादी 28.11 फीसदी रह गयी, जबकि मुस्लिम आबादी बढ़ कर 22.73 प्रतिशत हो गयी।

आज संताल में आदिवासियों और मुस्लिमों की आबादी लगभग बराबर हो गयी है। उन्होंने कहा कि आदिवासियों की लगातार घटती आबादी के कारणों की जांच एसआइटी से करायी जाये, ताकि हकीकत का पता चल सके।

बाबूलाल मरांडी ने कहा कि आज संताल फिर से संकट में है। संताल घुसपैठ का शिकार हो रहा है। यहां के आदिवासियों की पहचान एक सुनियोजित साजिश के तहत मिटायी जा रही है। संताल की इस विकराल समस्या पर राजनीति नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि आज सरकार भी संताल में है। आदिवासियों की हितैषी होने का दम भरनेवाली इस सरकार से आग्रह है कि इस मामले की जांच कर साजिश को बेनकाब करे।

बाबूलाल ने कहा कि सिदो-कान्हू, चांद-भैरव ने आदिवासी समाज की आजादी के लिए लड़ाई लड़ी थी। उनके द्वारा छेड़ी गयी लड़ाई का ही नतीजा रहा कि संताल परगना बना। यहां आदिवासी संरक्षित हो सकें, इसके लिए 1876 में संताल परगना काश्तकारी अधिनियम (एसपीटी एक्ट) भी बना। इतना ही नहीं, आजादी के बाद 1949 में सूचीबद्ध होनेवाला पहला कानून
भी एसपीटी एक्ट ही बना। आज सभी कानून लागू हैं, फिर भी स्थिति यह है कि एक सुनियोजित साजिश के कारण आदिवासियों का अस्तित्व धीरे-धीरे समाप्त हो रहा है।

हमारे पूर्वजों के बलिदान की धरती को विकसित करना हम सभी का कर्तव्यः चंपाई सोरेन

जमशेदपुर।

हूल दिवस पर रविवार को मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन राजनगर के कुमडीह एवं गमदेसाई मेला पहुंचे। मुख्यमंत्री का हेलीकाप्टर सबसे पहले शाम करीब छह बजे रोला फुटबाल मैदान में उतरा। यहां से कुमडीह में आयोजित मेला में पहुंचे। सिदो कान्हू की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर शहीदों को नमन किया। सीएम चम्पाई सोरेन ने भाषण की शुरुआत संथाली भाषा से की। लगभग आधे घंटे के भाषण में संथाली और हिंदी दोनों भाषाओं से संबोधित करते हुए लोगों को सरकार की ओर से चलाई जा रहे विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि वीर सिदो कान्हू ने तीर कमान से अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ लड़ाई लड़कर हमारी जमीन की रक्षा की थी। 30 जून 1855 की क्रांति को हूल दिवस के रूप में पूरे भारत वर्ष में मनाया जा रहा है। सिदो, कान्हू, चांद, भैरव जैसे अमर शहीदों के नेतृत्व में 50 हजार से अधिक हमारे पूर्वजों ने बलिदान दिया था। उसी आंदोलन के बदौलत संताल परगना बना और सीएनटी-एसपीटी एक्ट मिला। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह धरती हमारी पूर्वजों की बलिदान पर बना है। इसके बाद कोल विद्रोह हुआ और वीलकिंसन रूल बना। जिस तरह सिदो कान्हू चाँद भैरव ने अंग्रेजों से लड़ाई लड़कर अपनी जमीन की रक्षा की। उसी तरह दिशोम गुरु शिबू सोरेन ने झारखण्ड आंदोलन किया और अलग राज्य मिला। यह आपकी सरकार हैं, हम निरंतर यहां के आदिवासी, मूलवासियों, गरीब, दलित, पिछड़ा वर्ग के गरीबों को रोटी, कपड़ा, मकान, स्वास्थ्य, शिक्षा के लिए काम कर रहे हैं। झारखंड खनिज सम्पदा से परिपूर्ण राज्य है। धनी राज्य होने के बाद भी यहां के लोगों को इसका लाभ नहीं मिला। यह धरती हमारे पूर्वजों की धरती है। इसका लाभ यहां के जनता को मिलेगा। इसलिए अगस्त माह से राज्य की 21 से 50 साल तक की महिलाओं को 1000 पेंशन देने जा रही है। अब गरीबों को 15 लाख रुपए तक स्वास्थ्य बीमा का लाभ मिलेगा। जिससे गरीबों को बड़ी से बड़ी बीमारियों के इलाज में मदद मिलेगी। 20 लाख परिवारों को अबुआ आवास देंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब हमारे बच्चे जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा से स्कूलों में पढ़ाई कर सकेंगे। जनजातीय शिक्षकों की बहाली कर रहे हैं। संथाली, हो, कुरमाली, मुंडारी, उड़िया जैसे अपनी मातृ भाषा से पढ़ेंगे। अगले दो माह में राज्य में बम्पर बहाली होने वाली हैं। करीब 50 हजार शिक्षकों की बहाली की जाएगी। पुलिस की बहाली शुरू होने वाली है। राज्य के युवाओं को आप रोजगार की चिंता की जरूरत नहीं। उन्होंने कहा कि भाजपा ने कभी आदिवासी मूलवासियों का हित नहीं सोचा, पांच हजार बंद स्कूल फिर खुलेंगे। भाजपा ने राज्य में 24 साल में से अधिकांश समय शासन किया। लेकिन कभी आदिवासी मूल वासियों के हितों के बारे में नहीं सोचा। उल्टा उन्होंने राज्य के गरीब बच्चों को शिक्षा से वंचित करने के लिए 5000 प्राइमरी स्कूल बंद किया। अब हमारे सरकार उन सभी स्कूलों को दोबारा खोलने जा रही है।

न्यूज अपडेट

आरएमएस हाई स्कूल बालीचेला में लगा ई-वेस्ट रीसायकल बिन, बच्चों को किया जागरूक

जमशेदपुर। संभव संस्था के द्वारा ई-वेस्ट से निपटारण हेतु अभियान की शुरूआत की गई। इस अभियान के तहत संभव संस्था के द्वारा सोनारी स्थित आरएमएस हाई स्कूल बालीचेला में स्कूल के छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों को ई-वेस्ट ओर ई-वेस्ट से होने वाले नुकसान के विषय में जानकारी दिया गया और स्कूल प्रांगण में ई-वेस्ट फेकने के लिए ई-वेस्ट रीसायकल बिन लगाया गया। संभव संस्था की अध्यक्ष सारिका सिंह ने ई-वेस्ट से पर्यावरण को होने वाले नुकसान के विषय में बताते हुए कहा कि हमारे जीवन में इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों की भूमिका तेजी से बढ़ रही है और ऐसे में जहां इसके तमाम फायदे हम ले रहे हैं, तो इसके कई नुकसान भी हैं। जब भी हमें कोई नया स्मार्टफोन, लैपटॉप या फिर कोई अन्य इलेक्ट्रॉनिक गैजेट खरीदना होता है, तो हम खरीद लेते हैं और जब प्रोडक्ट हमारे काम का नहीं रहता है तो हम उसे फेंक देते हैं। इन गैजेट्स को बनाने में कई प्रकार के केमिकल मिश्रित सामानों का इस्तेमाल किया जाता है जब हम इन गैजेट्स को ऐसे ही फेक देते है तो इन गैजेट्स के अंदर मौजूद सभी जहरीले केमिकल निकलना शुरू कर देते हैं। और अपने आसपास के वायुमंडल को जहरीला करके जमीन को बंजर कर देते हैं। इसलिए पर्यावरण की रक्षा हेतु ई-वेस्ट का सही तरीके से निपटारण बहुत जरूरी है। इसलिए आप सभी हमारे इस कार्य में सहयोग देते हुए अपना इलेक्ट्रॉनिक कचरा संभव संस्था द्वारा स्थापित ई-वेस्ट रीसायकल बिन में डालकर ई-वेस्ट के निपटारण में अपनी सहभागिता दर्ज करें। इस दौरान संस्था के मुख्य संरक्षक भरत सिंह, अंजुला सिंह, पी.पुष्पलता, आर.एम.एस. हाई स्कूल बालीचेला की प्रधान प्राचार्य प्रतिभा सिन्हा, स्कूल मैनेजमेंट के संजय केडिया समेत सभी शिक्षक शिक्षिकाएं एवं छात्र उपस्थित थे।

केबुल मुखी समाज का प्रतिभा सम्मान समारोह 28 जुलाई को

जमशेदपुर। रविवार को केबुल मुखी समाज गोलमुरी की एक बैठक सचिव गुरुचरण मुखी की अध्यक्षता में क्लब में संपन्न हुई। इस बैठक में वर्तमान समय में समाज में होने वाली समस्याओं एवं अन्य मुद्दों पर चर्चा हुई। साथ ही साथ शिक्षा पर भी चर्चा करते हुए इस वर्ष जैक, सीबीएसई और आईसीएसई बोर्ड की 10 वीं और 12 वीं की परीक्षाओं में उत्तीर्ण होने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित करने के लिए आगामी 28 जुलाई को प्रतिभा सम्मान समारोह 2024 का आयोजन करने का निर्णय लिया गया है। इस समारोह में अन्य क्षेत्रों में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को भी सम्मानित किया जाएगा। इस बैठक के माध्यम से समाज के लोगों से भी अपील किया गया कि इस कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु अपना पूर्ण योगदान दें। बैठक का संचालन सुमंत मुखी ने किया एवं धन्यवाद ज्ञापन संजय मुखी ने दिया। बैठक में गोपाल मुखी, हेमसागर कुमार, चीकू मुखी, रिकू मुखी, मंगल मुखी, विकाश मुखी, देवेश मुखी, सुमित मुखी, नीलकंठ मुखी, आकाश मुखी, शिवू मुखी, टिंकू मुखी, आर्यन मुखी, निखिल महानन्द, रुपेश मुखी, कार्तिक मुखी आदि सभी सदस्य उपस्थित थे।

बिष्टुपुर तुलसी भवन में सुरभि शाखा का उन्नति फेस्टिवल मेला 1 से 3 जुलाई तक

जमशेदपुर। महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम के तहत मारवाड़ी युवा मंच स्टील सिटी सुरभि शाखा द्वारा तीन दिवसीय 1 से 3 जुलाई तक उन्नति फेस्टिवल मेला (प्रदर्शनी सह बिक्री) का आयोजन तुलसी भवन बिष्टुपुर में किया जा रहा है। तीनों दिन मेला सुबह 10 से रात 9 बजे तक चलेगा। यह जानकारी सुरभि शाखा अध्यक्ष कविता अग्रवाल, सचिव पूजा अग्रवाल, कोषाध्यक्ष पायल अग्रवाल, कार्यक्रम संयोजिका संजना अग्रवाल एवं खुशबू कांवटिया ने संयुक्त रूप से प्रेस विज्ञाप्ति जारी कर दी। उन्होंने बताया कि महिलाओं को स्वावलंबी बनाने हेतु आयोजित हो रहे इस मेले में सुरभि शाखा द्वारा ऐसी कई महिलाओं को प्लेटफार्म उपलब्ध कराया गया हैं, जो घर में खाना बनाकर रोजगार कर रही है। इस मेला में एक ही छत के नीचे कुर्ती, साड़ी, गिफ्ट आइटम, चादर, बांदरवाल, लड्डू गोपाल की पोशाक, ज्वेलरी, हाथ के बने हुए मंगोड़ी, पापड़, अचार उचित मूल्य में प्राप्त होगा। साथ ही समय की बचत भी होगी। इसे सफल बनाने में सुरभि शाखा की सभी महिलाएं लगी हुई हैं।

कारगिल विजय रजत दिवस समारोह 28 जुलाई को

जमशेदपुर। अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद जमशेदपुर के तत्वाधान में आयोजित होने वाले कारगिल रजत दिवस समारोह में घाटशिला और जमशेदपुर के वीरों एवं वीर नारियों का सम्मान किया जाएगा। राम मंदिर में 28 जुलाई रविवार को संध्या 5 बजे से होने वाले कार्यक्रम की तैयारी की समीक्षा की गई। एग्रिको में हुई समीक्षा बैठक में संगठन के अध्यक्ष विनय कुमार यादव ने बताया कि आयोजन का उद्देश्य युवाओं में देशभक्ति की भावना जगाना और सम्मान करना है। इस कार्यक्रम के अतिथि सांसद विद्युत वरण महतो, कमान अधिकारी 324 रेजिमेंट और एशिया अध्यक्ष इंदर अग्रवाल होंगें। कारगिल विजय रजत दिवस समारोह में सांस्कृतिक कार्यक्रम के तहत नृत्य और संगीत का आयोजन भी होगा। कार्यक्रम संयोजक विनय कुमार यादव सह संयोजक अवधेश कुमार एवम् सुखविंदर सिंह हैं। बैठक में प्रमुख रूप से राजेश पांडे, दीपक शर्मा, मनोज कुमार सिंह, सुखविंदर सिंह, धनेश्वर बारिक, कृष्ण मोहन सिंह, अवधेश कुमार, शैलेंद्र कुमार सिंह, उमेश सिंह बिरजू, जितेंद्र कुमार सिंह, अनिल कुमार सिन्हा, सत्य प्रकाश, हरी सिंह, उमेश शर्मा पुरी, संतोष सिंह, कुंदन सिंह, दया भूषण आदि मौजूद थे।

नरवा पहाड़ यूरेनियम प्रोजेक्ट के नौ कर्मी सेवानिवृत

जमशेदपुर। नरवा पहाड़ यूरेनियम प्रोजेक्ट से प्रधान सोरेन समेत नौ कंपनी कर्मी सेवानिवृत हो गए। इधर उनके सम्मान में कंपनी परिसर में समारोह आयोजित की गई जहा कंपनी कर्मियो ने जंबू डीलर प्रधान सोरेन को स्मृति चिन्ह व उपहार देकर सम्मानित किया। इस मौके पर भारतीय मजदूर संघ के कार्यकारी अध्यक्ष आनद महतो ने उनके साथ बिताए पल को याद करते हुए उनके कार्यों को सराहना की। अंत में उनके उज्जवल भविष्य व बेहतर स्वास्थ्य की कामना की। इस विदाई समारोह में कंपनी कर्मियो की ओर से यूनियन के कार्यकारी अध्यक्ष आनंद महतो,आस एन महतो, आर के राणा, अविनाश महतो, धीरेंद्र भक्त समेत भारी संख्या में विभागीय कर्मचारियों ने भाग लिया।

केरला पब्लिक स्कूल कदमा के छात्रों का पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित

जमशेदपुर।

केरला पब्लिक स्कूल, कदमा के प्रांगण में पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। यह समारोह विद्यालय के उच्चत्तम कक्षाओं आईएससी एवं आईसीएसई के विद्यार्थियों की गुणवत्ता एवं उपलब्धियों के आधार पर आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि शान्तनु चक्रवर्ती थे, जो टाटा स्टील में मेकैनिकल इंजीनियर के पद पर कार्यरत थे। सेवा निवृत्ति के पश्चात उन्होंने आईआईटी कानपुर में अपनी सेवा प्रदान की। इसके अतिरिक्त, उन्होंने 2009 में अंतर्राष्ट्रीय खोज प्रतिस्पर्धा में जीत हासिल की और टाटा स्टील में टीम के सदस्य के रूप में टेक्निकल एडिटर के रूप में सीआईएसआर में अपना योगदान दिया। उन्होंने इस समारोह की शोभा बढ़ाई। समारोह की शुरुआत मुख्य अतिथि शान्तनु चक्रवर्ती, विद्यालय के निदेशक शरत चन्द्रन, शैक्षणिक निदेशिका लक्ष्मी आर, प्रिंसिपल शर्मिला मुखर्जी, मुख्याध्यापिका अलमेलु रविशंकर एवं अन्य गणमान्य व्यक्तियों के कर-कमलों द्वारा दीप प्रज्वलित कर की गई। विद्यालय की प्रिंसिपल ने वार्षिक रिपोर्ट 2023-24 को पेश करते हुए विद्यालय की विभिन्न उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। दर्शकों के मनोरंजन के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थियों ने उत्साहवर्धक स्वागत गीत एवं नृत्य प्रस्तुत किए। शैक्षणिक निदेशिका लक्ष्मी आर ने अतिथियों का स्वागत किया, आईएससी और आईसीएसई छात्रों को बधाई दी, और अभिभावकों एवं शिक्षकों को उनके योगदान के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने वर्तमान बैच के लिए भगवान से मार्गदर्शन की प्रार्थना की। केरला पब्लिक स्कूल के निदेशक शरत चंद्रन ने छात्रों को संबोधित किया और उनकी उपलब्धियों के लिए बधाई दी। विद्यालय के शीर्षस्थ बच्चों को ट्राफी एवं सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि ने विद्यार्थियों की इस उपलब्धि को प्रबंधन, शिक्षक-शिक्षिकाएँ एवं विद्यार्थियों के संयुक्त प्रयास का परिणाम बताया। उन्होंने हिम्मत और ईमानदारी से कार्य करने का आग्रह किया, और कहा कि स्मार्ट और कड़ी मेहनत से महान ऊंचाइयों को प्राप्त किया जा सकता है। मुख्य अतिथि ने अपने प्रेरणादायक वक्तव्य में बच्चों को प्रेरित करते हुए विद्यालय के शैक्षणिक साधनों की प्रशंसा की। उन्होंने बच्चों को सलाह दी कि वे अपनी सामाजिक कुशलता एवं सामान्य ज्ञान को बढ़ावा देकर अपने व्यक्तित्व का विकास करें। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रीय गीत के साथ हुआ। केरला पब्लिक विद्यालय परिवार ने इन उपलब्धियों पर गौरवान्वित महसूस किया और शैक्षणिक उत्कृष्टता की इस यात्रा में गुणवत्ता को बनाए रखने का संकल्प लिया।

व्यापारिक संगठन, उद्योग एवं कंपनियां नए न्यूनतम मजदूरी कानून का पालन करें- डॉ अजय कुमार

जमशेदपुर। कांग्रेस कार्यसमिति के सदस्य और जमशेदपुर के पूर्व सांसद डॉ अजय कुमार ने बिष्टुपुर में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस किया, जहां उन्होंने न्यूनतम मजदूरी का विषय उठाया, जिसे झारखंड सरकार ने इस साल मार्च में लागू किया है। डॉ. अजय ने कहा कि झारखंड सरकार द्वारा बढ़ती हुई महंगाई को देखते हुई श्रमिको की न्यूनतम मजदूरी में बढोतरी संबंधी अधिसूचना 11 मार्च 2024 (न्यूनतम मजदूरी बढ़ोतरी अधिनियम 2024) को जारी करने के साथ ही प्रदेश में इसको लागू कर दिया गया था। डॉ. अजय ने कहा कि इस संबंध में उन्होंने माननीय मुख्यमंत्री चंपई जी से बात की है कि इस पर नजर रखी जानी चाहिए कि छोटे और बड़े व्यापारिक संगठन, उद्योग, कंपनियाँ इस नए न्यूनतम वेतन कानून का पालन करें और जो नए न्यूनतम वेतन कानूनों का पालन नहीं कर रहे हैं, उनसे निर्देश दिया जाना चाहिए कि वे तुरंत हमारे मजदूरों को नए न्यूनतम मजदूरी अधिसूचना के अनुसार न्यूनतम मजदूरी देना शुरू करें। उन्होंने कहा कि अगर हमारे मजदूरों को न्यूनतम मजदूरी नहीं मिल रही है तो ऐसे में मजदूर अपने एरिया के लेबर कमिश्नर ऑफिस में लिखित शिकायत कर सकते हैं।

धर्मेंद्र कुमार बने डॉ अजय कुमार के प्रेस सलाहकारः- पूर्व सांसद सह कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता एवम् पूर्व आईपीएस अधिकारी डॉ अजय कुमार ने पत्रकार धर्मेंद्र कुमार को अपना प्रेस सलाहकार सह मीडिया प्रभारी बनाया है। उल्लेखनीय है कि धर्मेंद्र कुमार को 30 वर्षों का पत्रकारिता का अनुभव है। उन्होंने विभिन्न पत्र पत्रिकाओं एवम्-न्यूज चौनल में विभिन्न पदों पर कार्य किया, वहीं वर्ष 2018 से 2020 तक जमशेदपुर उपायुक्त के प्रेस सलाहकार भी रह चुके है।

भालूबासा मुखी बस्ती में 286 लोगों ने उठाया निःशुल्क स्वास्थ्य जांच का लाभ

जमशेदपुर।

रविवार 30 जून को भालूबासा मुखी बस्ती भवन में आयोजित हुए निःशुल्क स्वास्थ्य जाँच शिविर में लगभग 286 से अधिक लोगों ने स्वास्थ्य जांच का लाभ उटाया। शिविर में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित पूर्व सांसद डॉ अजय कुमार ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। अखिल भारतीय तैलिक साहू महासभा के जिलाध्यक्ष राकेश साहू के नेतृत्व में यह शिविर आयोजित हुआ। शिविर को संबोधित करते हुए डॉक्टर अजय कुमार ने कहा कि बस्तियों में इस प्रकार का निःशुल्क स्वास्थ्य जाँच शिविर का आयोजन होते रहेगा। साथ ही उन्होंने निःशुल्क स्वास्थ्य जाँच शिविर का आयोजन हर सप्ताह करने हेतु साहू समाज को हर संभव प्रयास करने की बात कही। राकेश साहू ने बताया कि कई नेत्र रोगियों का निःशुल्क आंख का ऑपरेशन अगले सप्ताह पूर्णिमा नेत्रालय ले जाकर कराया जाएगा। इस शिविर में सदर अस्पताल एवं दया हॉस्पिटल के प्रोपराइटर मुमतरज अहमद, डॉ राशिद इकबाल, फिजिशियन डॉ मुमताज, फेफड़ा जांच डॉ राहुल सिंह, (रक्तचाप, मधुमेह) दंत चिकित्सा डॉ नाज परवीन, ब्लड प्रेशर डॉक्टर अंकित, शुगर जांच डॉक्टर निशा, वेट जांच डॉ जुलेखा आदि डाक्टर मौजूद थे। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में कांग्रेस के पूर्व जिलाध्यक्ष रविंद्र कुमार झा, नगर कार्यकारी अध्यक्ष धर्मेंद्र सोनकर, ओड़िसा लोकसभा के ऑब्जर्वर अभिजीत सिंह, ओबीसी सेल के नगर अध्यक्ष सुरेंद्र शर्मा, युवा कांग्रेस के जिला महासचिव कमलेश साहू, ओबीसी सेल के प्रदेश सचिव भूषण यादव, मनीष चंद्रवंशी, युवा कांग्रेस के जिला सचिव मुकेश यादव, जमशेदपुर पूर्वी विधानसभा के उपाध्यक्ष गौतम साहू, राजकुमार शर्मा, दुर्गा प्रसाद, जसपाल सिंह, राईस छबन के सदस्यों ने अंग वस्त्र पहनकर सम्मानित किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में मुख्य रूप से साहू समाज के जिला कोषाध्यक्ष सुरेश कुमार, वरीय उपाध्यक्ष शिवलोचन शाह, बागबेड़ा थाना क्षेत्रीय अध्यक्ष संतोष गुप्ता, इंद्र नारायण साहू जिला सचिव अशोक साहू प्रमोद साहू लाल साहब गोलू साहू मनीष गुप्ता भुइयांडीह नंदनगर अध्यक्ष सागर साहू, कल्याण नगर अध्यक्ष प्रवीण साहू, वेदांत साहू, कमलेश साहू सरवन साहू अन्य साहू समाज के नेता कार्यकर्ता मौजूद थे।

झारखंड का नव निर्माण के लिए और एक हूल की जरूरत : मदन मोहन

जमशेदपुर। सामाजिक कार्यकर्ता सह ग्रीन मेन मदन मोहन सोरेन ने सिदो कान्हू हूलगरिया मैदान कीताडीह मे हूल दिवस के मौके पर अमर शहीद सिदो-कान्हू की मूर्ति पर पुष्प अर्पित कर नमन किया। मदन मोहन ने कहा कि अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ आदिवासियों के विद्रोह, संघर्ष और उनके बलिदान को याद करने का विशेष दिन है।

मदन मोहन ने 30 जून को हूल दिवस के रूप में मनाया जाता है। 30 जून 1855 में सिदो, कान्हू, चांद, भैरव, फूलो, झानो के नेतृत्व में ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ क्रांति का बिगुल फूंका गया था। यह आंदोलन संथाल परगना के साथ पश्चिम बंगाल के कई इलाकों में फैला था। इस क्रांति ने ब्रिटिश हुकूमत को झकझोर कर रख दिया था। उन्होंने कहा कि हजारों क्रांतिकारियों ने अपने प्राणों की आहुति दी थी। बाद में इस हूल के मुख्य नेतृत्वकर्ता सिदो-कान्हू को साहिबगंज के भोगनाडीह में अंग्रेजों ने फांसी पर लटका दिया था।

संताल विद्रोह के नायकों की शहादत से प्रेरणा लेते हुए युवाओं को पुनः और एक झारखंड की नवनिर्माण के लिए हूल की जरूरत है।इस अवसर पर माझी परगना महाल के बहादुर सोरेन, सुधीर सोरेन, रामचंद्र, सिदो मुर्मू, दामू प्रमाणिक आदि उपस्थित थे।

युवा कांग्रेस का भुइयांडीह में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित

जमशेदपुर। जमशेदपुर पूर्वी विधानसभा युवा कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष नीरज साहू के नेतृत्व में रविवार को भुइयांडीह नवोदय आदिवासी प्राथमिक विद्यालय में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें 240 से अधिक लोगों ने स्वास्थ्य जांच का लाभ उठाया। मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व सांसद डॉ अजय कुमार उपस्थित हुए। दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर डॉक्टर अजय कुमार ने कहा कि लोगों को स्वस्थ एवं फिट रखने हेतु हर रविवार को प्रत्येक क्षेत्र में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जाएगा। यह सेवा कार्य लगातार चलता रहेगा। मौके पर विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व जिला अध्यक्ष नट्टू झा, युवा कांग्रेस प्रदेश सचिव राकेश साहू, जमशेदपुर नगर अध्यक्ष धर्मेंद्र सोनकर, अभिजीत सिंह आदि मौजूद थे। कार्यक्रम को सफल बनाने में मुख्य रूप से प्रकाश गुप्ता, प्रदीप यादव, विवेक सिंह, सुमित यादव, सूरज कुमार, गौरव जामोद, रिशु तिवारी, पंकज यादव, सागर कुमार, भूषण यादव, मुन्ना कुमार यादव, प्रिंस यादव, बादल कालिंदी, मनोज कुमार, अजय सिंह आदि का योगदान रहा।

साकची रबीन्द्र भवन में कविगुरु की रचित कविताओं का पाठ आयोजित

जमशेदपुर।

अन्तर्राष्ट्रीय टैगोर कविता पाठ दिवस के अवसर पर आज यहां शहर के साहित्य, कला एवं सांस्कृतिक केन्द्र टैगोर सोसाईटी (रबीन्द्र भवन) में कविगुरु रबीन्द्र नाथ टैगोर द्वारा रचित कविताओं का पाठ शहर के कई कविता प्रेमियों ने किया। इस दिवस के संबंध में जानकारी देते हुए टैगोर सोसाईटी के महासचिव आशीष चौधुरी ने बताया कि 1912 ई. में इंग्लैड के अंग्रेजी के विद्वान कवि रोडेन स्टाईन के घर में कविगुरु रबीन्द्रनाथ टैगोर ने अपनी कालजयी रचना गींतांजलि से चुनिंदा कविता पाठ किया था, उस समय के समकालीन नामचीन कवि एजेरा पाउण्ड, सुप्रसिद्ध अग्रेजी भाषा के कवि ईट्स समेत अन्य कई कवि थे, जो उनकी रचनाएं सुनकर मंत्रमुग्ध हो गये थे और उन्होने माना कि वे उस समय के शीर्ष कवि है, उसी कालजयी रचना गीतांजलि के काव्यपाठ से प्रभावित उक्त कवि मंडल ने रबीन्द्र नाथ टैगोर का नाम साहित्य के नोबेल पुरस्कार के लिए आगे बढाया था जो 1913 में फलित होकर रबीन्द्र नाथ टैगोर को नोबेल पुरस्कार के रूप में प्राप्त हुआ। यह कविता पाठ कोई साधारण घटना नहीं थी, यह एक ऐसी ऐतिहासिक घटना बनी, जिसने नोबेल पुरस्कार के लिए एक महान भारतीय साहित्यकार को चुना, उसी महान याद को संजोने के लिए प्रत्येक वर्ष 30 जून को यह दिवस अन्तर्राष्ट्रीय टैगोर कविता पाठ दिवस के रूप में मनाया जाता है। उन्होने कहा कि यह अवसर युवाओं व युवा साहित्यकार, कविता रचनाकारों के लिए महत्वपूर्ण है, ताकि वे अपनी रचनाओं को लिखने से पूर्व कविवर की रचना और काल के प्रभाव से मुक्त उनकी लेखनी को समझें और सम्पूर्ण मानव जाति को सृजन का साहित्य उपलब्ध करायें जो मानव का कल्याण करे। उन्होने बताया कि आज रबीन्द्र नाथ टैगोर की लिखी कविताओं का कई भाषाओं में पाठ हुआ। आज इस अवसर पर 31 कवियों ने कविता पाठ किया, जिनमें मुख्य रूप से बांग्ला में टैगोर एकेडमी के प्राचार्य मधुछन्दा मजुमदार, शान्तनु चक्रवर्ती, सब्यसांची चन्द, राजोन्य दंडोपात, पूर्णीमा बनर्जी, रूपा रॉय, सोम्यो सेन, संदीप घोष, अंग्रेजी में सूपर्णा रॉय, द्युति चक्रवर्ती, संहिता लाहिरी, उड़िया में उत्पला दास, संथाली में जी.आर. मूर्मू, फ्रेन्च में पुबाली बेरा, संस्कृत में सुनीता घोष, हिन्दी में नन्दन कुमार, तेलगु में एम. बालासुब्रमणियम, गुजराती में नंदिता बढेरा, समेत कई लोगों ने कवितापाठ कर कविगुरु रबीन्द्र नाथ टैगोर को याद किया तथा उनकी कालजयी रचनाओं की महत्ता को बताया।

न्यूज़ अपडेट

रथ यात्रा को लेकर दो जुलाई से पुरी के लिए चलेगी स्पेशल ट्रेन

रांची। रथ यात्रा को लेकर रेलवे ने ओडिशा के पुरी के लिए स्पेशल ट्रेन चलाने का फैसला किया है। इसको लेकर रेलवे की ओर से सर्कुलर भी जारी कर दिया गया है। रेलवे की ओर से चक्रधरपुर डिवीजन में तीन स्पेशल ट्रेनें चलाई जाएगी। इसमें से एक ट्रेन बादामपहाड़ स्टेशन से पुरी के बीच चलेगी। इस दौरान इस ट्रेन का ठहराव रायरंगपुर, टाटानगर, घाटशिला और भद्रक में भी होगा। यह ट्रेन दो जुलाई से 19 जुलाई तक एक दिन छोड़कर चलेगी। वहीं दो ट्रेन दो जुलाई से 19 जुलाई तक राउरकेला और पुरी के बीच चलेगी, जिसमें से एक ट्रेन चक्रधरपुर होते हुए चलेगी। वहीं दूसरी ट्रेन झारसुगड़ा, संबलपुर होते हुए पुरी के लिए रवाना होगी।

आरपीएफ ने एक नाबालिग को बचाया

रांची। रेलवे सुरक्षा बल(आरपीएफ) ने रांची रेलवे स्टेशन फूड प्लाजा के पास एकनाबालिग को बचाया है।आरपीएफ के निरीक्षक प्रभारी दिगंजय शर्मा ने रविवार को बताया कि आरपीएफ पोस्ट रांची और नन्हे फरिश्ते टीम के जरिये ऑपरेशन नन्हें फरिश्ते के तहत जांच के दौरान फूड प्लाजा के पास एक नाबालिग लड़की को देखा गया। उसे डरा सहमा देख उससे कारण पूछा गया तो वो ठीक से जवाब नहीं दे पाई । बाद में तमाम औपचारिकताओं को पूरा करने के बाद उसे सीडब्ल्यूसी रांची के समक्ष पेश किया गया और फिर सीडब्ल्यूसी के आदेशानुसार प्रेमाश्रय रांची को सौंप दिया गया। नाबालिग लोहरदगा की रहने वाली है।

साझ ढले गगन तलें पुस्तक के लोकार्पण में शामिल हुए अनेकों साहित्य प्रेमी

रांची। साँझ ढले गगन तले पुस्तक का लोकार्पण प्रेस क्लब मोराबादी रांची में सुन्दर, सफल और सुव्यवस्थित कार्यक्रम संपन्न हुआ । यह सुप्रसिद्ध लेखिका रीता गुप्ता के द्वितीय कहानी संग्रह है, जो लोगों को खूब पसंद आ रहा है। पुस्तक लोकार्पण तब और खास हो गया जब वहां उपस्थित लोगों को पता चला कि लेखिका रीता गुप्ता का जन्मदिन भी है। इस खास मौके पर और पुस्तक की आने की खुशी में सभी ने हृदय से खूब बधाई एवं शुभकामनाएं दिए। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता आचार्य हरेराम त्रिपाठी ₹चेतन₹ , वीना श्रीवास्तव, रश्मी शर्मा ; परिचर्चा विनोद कुमार, अरुण कुमार ; संचालन राजीव थेपड़ा एवं वहां उपस्थित सोनू कृष्णन , रेनू झा , संगीता कुजारा टाक, मीरा सिंह, गीता चौबे, सुनीता अग्रवाल, अशोक प्रियदर्शी, पंकज मित्र आदि अनेकों लेखक-लेखिका शामिल हुए।

- **भाजपा क्षेत्रीय संगठन महामंत्री नागेंद्र त्रिपाठी ने आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के आ''ान पर एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत अपनी स्व माता गणेशा देवी की पुण्य स्मृति में प्रदेश कार्यालय में एक पेड़ लगाए।**

कांग्रेस ने हूल दिवस पर सिद्धू-कान्हू को अर्पित किया श्रद्धासुमन

रांची। प्रदेश कांग्रेस ने रविवार को हूल क्रांति दिवस पर सिद्धू कान्हू पार्क में संथाल हूल के अमर नायक सिद्धू-कान्हू की प्रतिमा और कांग्रेस भवन में उनके चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित किए। मौके पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने कहा कि झारखंड के महान सपूत सिद्धू-कान्हू और चांद-भैरव ने 150 वर्ष पूर्व अंग्रेजों के शोषण एवं अत्याचार के खिलाफ स्वाभिमान तथा आत्मसम्मान के लिए संघर्ष का बिगुल फूंका था। यह आंदोलन 1857 के स्वतंत्रता आंदोलन की पृष्ठभूमि थी। यह सबसे अधिक संगठित और सशक्त आंदोलन था, जिसमें संथाली अपनी मातृभूमि की खातिर कुर्बान होने को तैयार हो गए। एक छोटे से गांव से शुरू हुये हूल से पूरे संथाल में ऊर्जा का संचार हुआ, जिसने तत्कालीन अंग्रेज सरकार की नींद उड़ा दी थी। उन्होंने कहा कि झारखंडवासियों को उन महान सपूतों के त्याग बलिदान से प्रेरणा लेकर झारखंड राज्य को विकास के पथ पर आगे बढ़ाते हुए समृद्ध और विकसित राज्य बनाने का संकल्प लेना होगा। इस मौके पर महासचिव अमूल नीरज खलको, मदन मोहन शर्मा, सतीश पाल मुंजनी, सोनाल शांति, गजेंद्र सिंह, कमल ठाकुर, रमा खलको, गौतम उपाध्याय, राकेश किरण महतो, अजय सिंह, एनुल हक, रमेश पांडे, चंदन बैठा, मनोज कुमार महतो, गुलजार अहमद, सुरेन राम, हृदय आनंद यादव, जगन्नाथ साहू, अर्चना मिर्धा शिवटहल नायक सहित अनेक लोग उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री दो जुलाई को 1500 करोड़ की परियोजनाओं का करेंगे शिलान्यास-उद्घाटन

रांची। मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन दो जुलाई को राज्यवासियों को 1500 करोड़ की योजनाओं की सौगात देंगे। इस अवसर पर जल संसाधन, पथ निर्माण विभाग व भवन निर्माण मंत्री बसंत सोरेन भी उपस्थित रहेंगे। उप राजधानी दुमका से योजनाओं का शिलान्यास-उद्घाटन होगा। इसका सबसे अधिक लाभ संथाल के सभी छह जिलों को मिलेगा। इस दौरान कई महत्वपूर्ण सड़क-पुल व प्रखंड भवन सहित सिंचाई परियोजनाओं की सौगात मिलेगी। इनमें कई नई योजनाएं भी शामिल हैं। मुख्यमंत्री के इस कार्यक्रम को देखते हुए तीनों विभाग तैयारी कर रहे हैं। संबंधित जिला प्रशासन को भी इस संबंध में दिशा-निर्देश दिया गया है।

युवती ने चौथे तले से लगाई छलांग, मौत

रांची। हिंदपीढ़ी थाना क्षेत्र के बड़ी मस्जिद लेन की रहने वाली एक युवती ने प्रेमी से फोन पर बात हुए चौथे तले से छलांग लगा कर रविवार को अपनी जान दे दी। घटना के बाद प्रेमी ने ही अपने प्रेमिका को अंजुमन अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया है। मृत लड़की के परिजनों का कहना है की मृत आयशा उर्फ सना और जावेद का लंबे समय से प्रेम प्रसंग चल रहा था। इस कारण दोनों की शादी भी तय हुई थी, लेकिन लड़के के घर वालों ने दहेज का लालच था, जिस कारण शादी में अड़चन आई और सना और जावेद का विवाद हो गया। लेकिन फिर बाद में सबकुछ ठीक हुआ। तब तक जावेद का किसी दूसरी लड़की से प्रेम प्रसंग चलने लगा। इस कारण इन दोनो के बीच विवाद बढ़ गया। परिजनों ने बताया कि सना ने घर के चौथे तल्ले से कूदकर अपनी जान दे दी। परिजनों ने बताया कि घटना के समय सना अपने प्रेमी जावेद से ही फोन पर बात कर रही थी और जावेद ठीक उसके घर के नीचे खड़ा था। सना जैसे ही नीचे गिरी जावेद ही उसे हॉस्पिटल लेकर पहुंचा लेकिन सना की मौत बात सुनकर वो मौके से फरार हो गया। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल कर रही है। पुलिस ने प्रेमी जावेद को हिरासत में ले लिया है। परिजनों को आशंका है कि जावेद के उकसाने की वजह से ही सना ने खुदकुशी की है। डीएसपी प्रकाश सोए ने बताया कि पूरे मामले की गहन जांच पड़ताल की जा रही है। जावेद को हिरासत में ले लिया गया है, उससे पूछताछ की जा रही है।

केंद्रीय मंत्री संजय सेठ ने रांची रेल मंडल में चल रही रेल परियोजनाओं की समीक्षा की

रांची। केंद्रीय मंत्री संजय सेठ ने रविवार को रांची रेल मंडल में चल रही रेल परियोजनाओं की समीक्षा की। मंत्री ने रेल अधिकारियों से रांची, हटिया, नामकुम, टाटीसिल्वे, गंगाघाट, मुरी, सिल्ली और पिस्का स्टेशन के उन्नयन कार्य की जानकारी ली। इस दौरान रांची रेलवे स्टेशन पर चल रहे उन्नयन कार्य का अवलोकन किया और दिशा-निर्देश दिए। समीक्षा बैठक में नगड़ी, नयासराय, हटिया पुलिस मुख्यालय के समीप निर्माणाधीन आरओबी की गति प्रगति की रिपोर्ट और नामकुम अंडरपास पर चर्चा हुई। केतारी बगान ओवरब्रिज निर्माण को लेकर हुई कार्रवाई, सिरमटोली फ्लाई ओवर निर्माण में आ रही समस्या और उसके समाधान पर भी बातचीत हुई। मंत्री ने सिल्ली में बांसारूली के समीप बनने वाले अंडर पास पर चर्चा और इलू रेल लाइन के प्रस्ताव पर हुई गति प्रगति की जानकारी ली। रेलवे जंक्शन मुरी से बिसरिया गांव तक सड़क निर्माण की दिशा में अब तक हुई कार्रवाई पर चर्चा की गयी।इसमें तेजी लाने का निर्देश मंत्री ने दिया। कडरू, सेंबरटोली के समीप अंडरपास निर्माण के दौरान रास्ता बंद होने से आदिवासी परिवारों को हो रही समस्या पर चर्चा करते इसका समाधान करने को डीआरएम, रांची रेल मंडल को कहा गया। इस मौके पर हटिया विधायक नवीन जायसवाल और मंडल रेल प्रबंधक जसमीत सिंह बिंद्रा सहित अन्य भी मौजूद थे।

सिद्धू-कान्हू के वंशजों के साथ सौतेला व्यवहार कर रही सरकार: अमर कुमार बाउरी

हूल दिवस पर नेता प्रतिपक्ष ने माल्यार्पण किया

रांची।

हूल दिवस के अवसर पर मोरहाबादी के सिद्धू-कान्हू में पार्क स्थित उनके प्रतिमा पर झारखंड विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी ने भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ माल्यार्पण किया। इस दौरान श्री बाउरी ने कहा 1855 में अँग्रेजी हुकूमत के खिलाफ क्रांति का बिगुल फूकने वाले सिद्धू-कान्हू का देश आजादी में महत्वपूर्ण भूमिका रही है। परंतु ऐसे वीर सपूत के वंशज के साथ राज्य की वर्तमान सरकार सौतेला व्यावहार कर रही है जिसके कारण आज भी उनकी स्थिति दयनीय है। मौके पर अमित कुमार, जीतेन्द्र वर्मा, संदीप कुमार रवि, विकास रवि, नकुल तिर्की, रामलगन राम, माया सिंह सिसोदिया, संजीव चौधरी, कुंदन सिंह, संतोष कुमार रवि समेत कई लोग उपस्थित थे।

सेक्स रैकेट को लेकर रॉयल रेजीडेंसी होटल में छापेमारी

रांची। रांची के चुटिया थाना क्षेत्र के स्टेशन रोड स्थित रॉयल रेजिडेंसी होटल में सेक्स रैकेट को लेकर रविवार को छापेमारी की। पुलिस ने वहां से सात युवतियों और दो व्यक्ति को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा को सेक्स रैकेट को लेकर मिली गुप्त सूचना के आधार पर सिटी डीएसपी केबी रमण के नेतृत्व में छापेमारी की गयी। डीएसपी ने बताया कि छापेमारी के दौरान सात युवतियों और दो व्यक्ति को हिरासत में लिया गया है। सभी से पूछताछ की जा रही है। पुलिस ने सेक्स रैकेट का कारोबार को लेकर यह छापेमारी की है।

प्रकल्प को शिक्षा के अलावा सामाजिक जागरण का भी केन्द्र बनाना चाहिए : सुशील मरांडी

लोहरदगा। वनवासी कल्याण केन्द्र श्रीहरि वनवासी विकास समिति, झारखंड के तत्वावधान में रामकली देवी सरस्वती शिशु मंदिर में रविवार को संकुल प्रमुख प्रधानाचार्य की बैठक हुई। प्रान्त सह संगठन मंत्री सुशील मरांडी ने कहा कि हम सब संगठन के कार्यकर्ता हैं, हममें संगठन का भाव हमेशा जागृत रहनी चाहिए। प्रकल्प को शिक्षा के अलावा सामाजिक जागरण का केन्द्र बनाना चाहिए।अपने प्रकल्प में कार्यक्रमों के माध्यम से जनजाति समाज को जोड़ते हुए उनकी धर्म संस्कृति परंपरा को संरक्षण एवं संवर्धन करने की दिशा में कार्य करना चाहिए। स्थानीयता को बढ़ावा देते हुए लोक कला का भी संरक्षण करना चाहिए। प्रांत शिक्षा प्रमुख सुभाष चन्द्र दुबे ने संकुल प्रमुख के कार्य दायित्व, उनकी सक्रियता, कार्यों की स्पष्ट जानकारी व कार्य विभाजन, संपर्क, संवाद, प्रशिक्षण, आगामी व सम्पन्न कार्यक्रम, कार्यक्रमों में जिला समिति की भूमिका, संकुल प्रमुख प्रवास,निर्माण कोचिंग, त्रिवर्षीय कार्य योजना के सप्त बिंदु, लोक कला,मासांत बैठक का स्वरूप, पत्रिका, विद्यालय इतिहास एवं उपलब्धि, संकुल स्तर पर कार्यक्रम, कार्य योजना, गणित विज्ञान मेला,कार्यों की समीक्षा, कार्यालय व्यवस्था, प्रतिभा विकास शिविर, अंकेक्षण,संस्कृति ज्ञान परीक्षा, वृक्षारोपण, वस्तु संग्रह पंजी,जमीन संबंधी कागजात, गुरु पूर्णिमा समर्पण दिवस,शून्य कालांश,रिपोर्टिंग, डॉक्यूमेंटेशन,मातृ भारती का गठन, शारिरिक शिक्षा, संगीत शिक्षा, संस्कार केन्द्र,नीड लिस्ट,ग्राम समिति का गठन, हूल दिवस,गणित आचार्य प्रशिक्षण वर्ग,संस्था संगठन की जानकारी आदि आदि विषयों पर विस्तार पूर्वक चर्चा की।

सहायक अध्यापकों ने मशाल जुलूस निकाल कर सरकार को चेताया

गिरिडीह। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत झारखंड के समस्त प्रखंड मुख्यालय में सहायक अध्यापकों के द्वारा सरकार को चेतावनी स्वरूप मशाल जुलूस का आयोजन किया गया। बताया गया कि झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री श्री हेमंत सोरेन जी ने अपनी चुनावी सभा में तथा अपनी मेनिफेस्टो में कहा था कि उनकी सरकार बनने के उपरांत 3 महीना के अंदर झारखंड के समस्त सहायक अध्यापकों को वेतनमान देंगे, जो सहायक अध्यापकों के लिए चिर प्रतिक्षित मांग वेतनमान आज तक उन्होंने पूरा नहीं किया। इसी कड़ी में झारखंड के प्रदेश कमेटी ने निर्णय लिया कि अब वे लोग को सरकार को जगाने के लिए तरह-तरह का कार्यक्रम करना पड़ेगा और उसी कड़ी में रविवार के दिन में हुल दिवस के शुभ अवसर पर मशाल जुलूस का आयोजन किया गया। जिसमें मशाल जुलूस में दर्जनों सहायक अध्यापक उपस्थित हुए। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रखंड अध्यक्ष राजकुमार एवं प्रखंड सचिव मनोज कुमार शर्मा एवं बक्शी रमेश कुमार के द्वारा किया गया। साथ ही उपस्थित सहायक अध्यापक अजय कुमार साव वासुदेव साव नवीन कुमार अजय सिंह गोकुल राम वर्मा संजय पासवान ठाकुरदास अनिल कुमार सिंह रवि रंजन सिन्हा कामेश्वर यादव दिलीप यादव नीरज साहू उषा मेहता सतेंद्र प्रसाद कुशवाहा शिव शंकर प्रसाद वर्मा पशुपति पांडे राजदेव तुरी इदरीस अंसारी सलामत अंसारी बिना कुमारी आदि कार्यक्रम में उपस्थित हुए।

सुविचार

नसीब से ज़्यादा क़ीमती दुआ होती है, क्योंकि जब ज़िन्दगी में सब कुछ बदल जाए, तब इंसान के पास दुआ ही बचती है, नसीब बदलने के लिए।

कोशिशों से आएगा बदलाव

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'मन की बात' कार्यक्रम की 111वीं कड़ी में फिर एक बार ऐसे 'नायकों' का हौसला बढ़ाया है, जो धरातल पर सकारात्मक बदलाव लाने की कोशिशें कर रहे हैं। मोदी ने उन्हें जो मंच दिया, उससे निश्चित रूप से अन्य लोगों में भी ऐसे बदलाव लाने की ललक पैदा होगी। इस समय दुनिया पर पर्यावरण प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन जैसे संकट मंडरा रहे हैं। वैज्ञानिक वर्षों से कह रहे हैं कि मनुष्य को बचाना है तो पर्यावरण संरक्षण करना होगा, ज्यादा से ज्यादा ऐसे पौधे लगाने होंगे, जो भविष्य में छायादार/फलदार पेड़ बनें। प्रधानमंत्री मोदी ने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान को जिस तरह प्रकृति और ममत्व से जोड़ा है, वह धरती माता और उसकी संतानों, दोनों के भविष्य को सुरक्षित बनाएगा। इस समय देश के कई इलाकों में मानसून पहुंच चुका है। इसका लाभ प्राप्त करना चाहिए। आज मां के सम्मान अथवा याद में पौधे लगाएंगे, उनकी देखभाल करेंगे तो वे कुछ वर्षों में पेड़ बन जाएंगे। हाल में तापमान ने जो रिकॉर्ड बनाए, वह बहुत तकलीफदेह अनुभव था। अगर भविष्य में ऐसे हालात को टालना चाहते हैं तो 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान को आगे बढ़ाने की जरूरत है। प्रधानमंत्री ने केरल के अट्टापडी में बनाए जाने वाले कार्थुम्बी छातों का जिस तरह जिक्र किया, उससे इनकी देश-विदेश से मांग में अच्छी बढ़ोतरी देखने को मिल सकती है। भारत के हर जिले में ऐसी कई चीजें बनती हैं, जिनकी खूबियों की जानकारी बड़े स्तर पर दी जाए तो उससे न केवल बिक्री बढ़ेगी, बल्कि लोगों को भी ज्यादा रोजगार मिलेगा। कई बार गुणवत्तापूर्ण चीजें भी बाजार में इसलिए जगह नहीं बना पातीं, क्योंकि उनके बारे में जानकारी सीमित क्षेत्र तक ही होती है। 'मन की बात' कार्यक्रम ऐसे उद्योगों को ताकत दे सकता है।

प्रधानमंत्री ने अराकू कॉफ़ी को भी नई पहचान दे दी है। देश-दुनिया में कॉफी पीने वाले कई लोगों को इसके बारे में पहली बार जानकारी 'मन की बात' से ही मिली है। वे अब इंटरनेट पर इसके बारे में सर्च कर रहे हैं। 'लोकल को ग्लोबल' बनाने की मुहिम के तहत पुलवामा के स्नो पीज़ की पहली खेप का लंदन जाना देश के कृषि क्षेत्र के लिए गर्व की बात है। प्रधानमंत्री ने सत्य कहा कि जम्मू-कश्मीर ने जो कर दिखाया, वह देशभर के लोगों के लिए एक मिसाल है। भारत के कृषि क्षेत्र में बहुत शक्ति व सामर्थ्य है। हमें मिट्टी की गुणवत्ता को बढ़ाते हुए उन फसलों की खेती पर जोर देना होगा, जिनसे किसानों की आमदनी बढ़ सके। गेहूं, चावल, दालों के अलावा फलों और सब्जियों में नए प्रयोगों की बहुत गुंजाइश है। इजराइल इसका बहुत अच्छा उदाहरण है, जिसने बंजर जमीन की उत्पादकता बढ़ाते हुए वहां अंगूर, संतरा, खजूर आदि की खेती को नए आयाम दिए। इस उपज से अरबों रुपए के उद्योग चल रहे हैं। इजराइल में जगह कम होने के कारण कई घरों-दफ्तरों की दीवारों और छतों तक का इस्तेमाल फल-सब्जियां उगाने के लिए किया जा रहा है। भारत में कृषि भूमि की ऐसी कमी नहीं है। अगर आधुनिक तरीकों से खेती के लिए सही समय पर सही जानकारी मिल जाए और उपज की अच्छे दामों पर बिक्री के लिए बाजार मिल जाए तो युवाओं की रुचि भी इस क्षेत्र में बढ़ेगी। देशभर में इतने होटल, रेस्टोरेंट और ढाबे हैं, अगर उन्हें किसानों से सीधे जोड़ दें तो रोजगार के अनेक अवसरों का सृजन किया जा सकता है। बेंगलूरु के कब्बन पार्क में संस्कृत में बातचीत करने की परंपरा अत्यंत प्रशंसनीय है। ऐसा प्रयोग (विभिन्न विषयों को शामिल करते हुए) देशभर के पार्कों में शुरू किया जाए तो ये क्षेत्र ज्ञान के नए केंद्र बनकर उभर सकते हैं।

ट्वीटर टॉक

हमारी सरकार ने कोविड में काफी समय तक परीक्षाएं ना हो पाने के बावजूद भी बेहतरीन इंतजाम कर करीब 3 लाख सरकारी नौकरी दी थीं। कल राजस्थान सरकार ने रोजगार महोत्सव मनाकर हमारी सरकार द्वारा नौकरी दिए गए नए सरकारी कर्मचारियों को जॉइनिंग लेटर दिए।

-अशोक गहलोत

आज का दिन हमें उन हजारों आदिवासी भाईबहनों के सर्वोच्च बलिदान का स्मरण करवाता है जब उन्होंने अंग्रेजों हमारी माटी छोड़ो के उद्घोष के साथ सिदो और कान्हू के नेतृत्व में ब्रिटिश हुकूमत के विरुद्ध महान जनक्रांति का आगाज किया था।

-ओम बिरला

मोदी सरकार द्वारा गुलामी की मानसिकता वाले पुराने कानूनों को हटाकर, भारतीयता के भाव को प्रदर्शित करने वाले तीन नए कानून 'भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साध्य अधिनियम' को लागू किया जा रहा है।

-अर्जुनराम मेघवाल

प्रेरक प्रसंग

मां की सीख

मिसाइल मैन कलाम का बचपन अपनी माता की उदारता तथा पिता के अनुशासन को देखते हुए बीता। बालक कलाम की अम्मी गमले में फूलों के पौधे लगाती थी। फूल उग जाते थे तो आसमान की तरफ देखकर अल्लाह की कुदरत और मेहर का शुकराना अदा करती थी। यह देखकर बालक कलाम हैरान हो जाते। एक बार वह पूछ बैठे कि अम्मी एक सवाल है जेहन में। आप ही निराई और गुड़ाई करती हो और मैंने पाठशाला में यह सीखा है कि बीज से ही पौधा बनता है। फिर आप रोजाना सींचती हो तो इसमें फूल खिलते हैं। तब भी आप आसमान की तरफ दुआ में हाथ उठा देती हो। यह मुझे समझ में नहीं आता है। वो इसलिए कलाम कि मुझमें कहीं गुरूर न पैदा हो। मैं इतराने न लगूं। इसलिए मैं उस परवरदिगार का शुकराना अदा करती हूं। कलाम ने अपनी आखिरी सांस तक अम्मी की यह सीख दिल में सहेज कर रखी। इसीलिए वह जीवन में इतने ऊंचे उठे।

सामयिक

कानूनों में बदलाव के मायने

मनोज कुमार अग्रवाल

एक जुलाई से तीन नए क्रिमिनल लॉ लागू होने जा रहे हैं। 1860 में बनी इंडियन पीनल कोड (आईपीसी) की जगह भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) ले लेगी। भारतीय न्याय संहिता में कई अपराधों में कानून को पहले से ज्यादा सख्त कर दिया गया है। भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता अपराधिक प्रक्रिया संहिता को रिप्लेस करेगी। इसमें अब 533 धाराएं रहेंगी। 160 धाराओं को बदल दिया गया है, 9 नई धाराएं जोड़ी गई हैं और 9 धाराओं को निरस्त किया गया है।

भारतीय न्याय संहिता भारतीय दंड संहिता को रिप्लेस करेगी। इसमें पहले की 511 धाराओं के स्थान पर अब 356 धाराएं होंगी। 175 धाराओं में बदलाव किया गया है, 8 नई धाराएं जोड़ी गई हैं और 22 धाराओं को निरस्त किया गया है।भारतीय साक्ष्य विधेयक साक्ष्य अधिनियम को रिप्लेस करेगा। इसमें पहले की 167 के स्थान पर अब 170 धाराएं होंगी, 23 धाराओं में बदलाव किया गया है, 1 नई धारा जोड़ी गई है और 5 धाराएं निरस्त की गई हैं।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि ये तीनों पुराने कानून गुलामी की निशानियों से भरे हुए थे, इन्हें ब्रिटेन की संसद ने पारित किया था, कुल 475 जगह गुलामी की इन निशानियों को समाप्त कर नए कानून लेकर आए हैं। कानून में दस्तावेज़ों की परिभाषा का विस्तार कर इलेक्ट्रॉनिक या डिजिटल रिकॉर्ड्स, ई-मेल, सर्वर लॉग्स, कम्प्यूटर, स्मार्ट फोन, लैपटॉप्स, एसएमएस, वेबसाइट, लोकेशनल साक्ष्य, डिवाइस पर उपलब्ध मेल, मैसेजेस को कानूनी वैधता दी गई है। पुलिस प्राथमिकी से केस डायरी, केस डायरी से चार्जशीट और चार्जशीट से जजमेंट तक की सारी प्रक्रिया को डिजिटलाइज़ करने का प्रावधान इस कानून में किया गया है। भारतीय दंड संहिता में 511 धाराएं थीं, लेकिन भारतीय न्याय संहिता में धाराएं 358 रह गई हैं। संशोधन के जरिए इसमें 20 नए अपराध शामिल किए हैं, तो 33 अपराधों में सजा अवधि बढ़ाई है। 83 अपराधों में जुर्माने की रकम भी बढ़ाई है। 23 अपराधों में अनिवार्य न्यूनतम सजा का प्रावधान है।

छह अपराधों में सामुदायिक सेवा की सजा का प्रावधान किया गया है।रेप, गैंगरेप और चाइल्ड किडनैपिंग से जुड़े अपराधों में सजा सख्त कर दी गई है. कुछ अपराध ऐसे हैं, जिनमें अगर उम्रकैद की सजा सुनाई जाती है तो फिर दोषी जेल से जिंदा बाहर नहीं आ सकेगा। धारा 65 : भारतीय न्याय संहिता की धारा 65 के तहत, अगर किसी

व्यक्ति को 16 साल से कम उम्र की किसी लड़की से दुष्कर्म के मामले में दोषी ठहराया जाता है, तो उसे कम से कम 20 साल की जेल की सजा हो सकती है. सजा को उम्रकैद तक भी बढ़ाया जा सकता है और ऐसे में दोषी को जिंदा रहने तक जेल में रहना होगा। - धारा 66 : अगर दुष्कर्म के दौरान किसी महिला की मौत हो जाती है या फिर वो कोमा जैसी अवस्था में पहुंच जाती है, तो ऐसे मामलों में दोषी को कम से 20 साल की सजा होगी, जिसे उम्रकैद तक बढ़ाया जा सकेगा। इस अपराध में भी उम्रकैद की सजा होने पर दोषी जिंदा नहीं बाहर आ सकेगा। धारा 70 : ये धारा गैंगरेप से जुड़ी है. इसी धारा में नाबालिग से दुष्कर्म के अपराध के लिए भी सजा का प्रावधान किया गया है. दोनों ही मामलों में गैंगरेप के सभी दोषियों को कम से कम 20 साल की सजा होगी. इसमें जुर्माने का प्रावधान है, जो पीड़िता को दिया जाएगा। इसके अलावा सजा को उम्रकैद तक बढ़ाया जा सकेगा, जिसमें दोषी को जिंदा रहने तक जेल में ही रहना होगा। - धारा 71 : अगर किसी व्यक्ति रेप या गैंगरेप से जुड़े किसी मामले में दोषी ठहराया जा चुका हो और फिर से इसी अपराध में दोषी करार दिया जाता है तो उसे जिंदा रहने तक उम्रकैद की सजा काटनी होगी।

- धारा 104 : उम्रकैद की सजा काट रहा दोषी अगर किसी की हत्या करता है तो उसे सजा-ए-मौत या फिर उम्रकैद की सजा सुनाई जा सकती है. इस अपराध में भी उम्रकैद की सजा मिलने पर दोषी जिंदा बाहर नहीं आ सकेगा। - धारा 109: इस धारा के सब-सेक्शन 2 के तहत, अगर हत्या के मामले में उम्रकैद की सजा काट रहा कैदी किसी व्यक्ति को नुकसान पहुंचाता है तो उसे सजा-ए-मौत या फिर उम्रकैद की सजा हो सकती है। उम्रकैद की सजा होने पर कैदी को जिंदगीभर जेल में ही रहना होगा।

- धारा 139 : अगर कोई व्यक्ति किसी बच्चे का अपहरण उससे भीख मंगवाने के लिए करता है तो दोषी पाए जाने पर उसे 10 साल से लेकर उम्रकैद तक की सजा हो सकती है। धारा 139(2) के तहत, अगर भीख मांगने के मकसद से बच्चे को अपंग किया जाता है तो फिर दोषी को जीवनभर के लिए उम्रकैद की सजा काटनी होगी। धारा 143: ये धारा मानव तस्करी से जुड़े अपराध के लिए सजा का प्रावधान करती है। अगर कोई व्यक्ति एक से ज्यादा बार किसी बच्चे की तस्करी में शामिल होने का दोषी पाया जाता है तो उसे जिंदगीभर के लिए उम्रकैद की सजा सुनाई जाती है। धारा 143(7) के तहत अगर कोई सरकारी सेवक या पुलिसकर्मी किसी व्यक्ति की तस्करी में शामिल होने का दोषी पाया जाता है तो उसे भी जीवनभर के लिए उम्रकैद की सजा सुनाई जाती है। आमतौर पर ये माना जाता है कि उम्रकैद की सजा 14 साल या 20 साल की होती है. लेकिन ऐसा नहीं है। 2012 में सुप्रीम कोर्ट ने अपने एक फैसले में साफ कर दिया था कि उम्रकैद की सजा का मतलब आजीवन कारावास से है. यानी, अगर किसी दोषी को उम्रकैद की सजा मिली है तो उसे जिंदा रहने तक जेल में रहना होगा। हालांकि, कोर्ट का काम सिर्फ सजा सुनाना है और उस सजा को एग्जीक्यूट करने का काम राज्य सरकार का है. कानूनन अगर किसी कैदी को उम्रकैद की सजा मिली है तो उसे कम से कम 14 साल की सजा काटनी होगी। उम्रकैद की सजा पाया कोई कैदी 14 साल जेल में काट लेता है तो उसके केस को सेंटेंस रिव्यू कमेटी के पास भेजा जाता है. कैदी के बर्ताव को देखते हुए कमेटी उसकी सजा को कम कर सकती है। यही कारण है कि उम्रकैद की सजा पाया कोई कैदी 14 या 20 साल में छूट जाता है। लेकिन भारतीय न्याय संहिता में जिन अपराधों में जिंदा रहने तक उम्रकैद की सजा काटने का प्रावधान है, उनमें कैदी की सजा को माफ नहीं किया जा सकेगा।

धारा 124: आईपीसी की धारा 124 राजद्रोह से जुड़े मामलों में सजा का प्रावधान रखती थी। नए कानूनों के तहत 'राजद्रोह' को एक नया शब्द 'देशद्रोह' मिला है यानी ब्रिटिश काल के शब्द को हटा दिया गया है। भारतीय न्याय संहिता में अध्याय 7 में राज्य के विरुद्ध अपराधों कि श्रेणी में 'देशद्रोह' को रखा गया है। धारा 144: आईपीसी की धारा 144 घातक हथियार से लैस होकर गैरकानूनी सभा में शामिल होना के बारे में थी। इस धारा को भारतीय न्याय संहिता के अध्याय 11 में सार्वजनिक शांति के विरुद्ध अपराध की श्रेणी में रखा गया है। अब भारतीय न्याय संहिता की धारा 187 गैरकानूनी सभा के बारे में है। धारा 302: पहले किसी की हत्या करने वाला धारा 302 के तहत आरोपी बनाया जाता था। हालांकि, अब ऐसे अपराधियों को धारा 101 के तहत सजा मिलेगी। नए कानून के अनुसार, हत्या की धारा को अध्याय 6 में मानव शरीर को प्रभावित करने वाले अपराध कहा जाएगा।

धारा 307: नए कानून के अस्तित्व में आने से पहले हत्या करने के प्रयास में दोषी को आईपीसी की धारा 307 के तहत सजा मिलती थी। अब ऐसे दोषियों को भारतीय न्याय संहिता की धारा 109 के तहत सजा सुनाई जाएगी। इस धारा को भी अध्याय 6 में रखा गया है। धारा 376: दुष्कर्म से जुड़े अपराध में सजा को पहले आईपीसी की धारा 376 में परिभाषित किया गया था। भारतीय न्याय संहिता में इसे अध्याय 5 में महिलाओं और बच्चों के विरुद्ध अपराध की श्रेणी में जगह दी गई है। नए कानून में दुष्कर्म से जुड़े अपराध में सजा को धारा 63 में परिभाषित किया गया है। वहीं सामूहिक दुष्कर्म को आईपीसी की धारा 376 डी को नए कानून में धारा 70 में शामिल किया गया है। धारा 399: पहले मानहानि के मामले में आईपीसी की धारा 399 इस्तेमाल की जाती थी। नए कानून में अध्याय 19 के तहत आपराधिक धमकी, अपमान, मानहानि, आदि में इसे जगह दी गई है। मानहानि को भारतीय न्याय संहिता की धारा 356 में रखा गया है। धारा 420: भारतीय न्याय संहिता में धोखाधड़ी या ठगी का अपराध 420 में नहीं, अब धारा 316 के तहत आएगा। इस धारा को भारतीय न्याय संहिता में अध्याय 17 में संपत्ति की चोरी के विरुद्ध अपराधों की श्रेणी में रखा गया है।

दंड प्रक्रिया संहिता यानी सीआरपीसी की जगह अब भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता ने ले ली है। सीआरपीसी की 484 धाराओं के बदले भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता में 531 धाराएं हैं। नए कानून के तहत 177 प्रावधान बदले गए हैं जबकि नौ नई धाराएं और 39 उपधाराएं जोड़ी हैं। इसके अलावा 35 धाराओं में समय सीमा तय की गई है। वहीं, नए भारतीय साक्ष्य अधिनियम में 170 प्रावधान हैं। इससे पहले वाले कानून में 167 प्रावधान थे। नए कानून में 24 प्रावधान बदले हैं। अभी पुलिस अभियोजन वकीलों और जजों को नए कानून और प्रक्रिया संहिता के बदलाव को समझना जांचना और लागू करना भी कम मुश्किल नहीं है इस के लिए सरकार गोष्ठियों व अन्य माध्यमों से जागरूकता व प्रशिक्षण दे रही है।

नजरिया

असुविधाजनक सड़कों की टोल टैक्स वसूली एक ज्यादती

ललित गर्ग

बेहतर सेवाओं के नाम पर सरकारें कई तरह के शुल्क वसूलती है, इसमें कोई आपत्ति एवं अतिश्योक्ति नहीं है। लेकिन सेवाएं बेहतर न हो फिर भी उनके नाम पर शुल्क या कर वसूलना आपत्तिजनक एवं गैरकानूनी है। यह एक तरह से आम जनता का शोषण है, धोखाधड़ी है। राजमार्ग एवं अन्य मार्गों पर बेहतर एवं सुविधाजनक सड़कों के नाम पर एजेंसियों द्वारा टोल टैक्स वसूला जाता है, लेकिन विडम्बना एवं त्रासदी यह है कि टूटी-फूटी सड़कों के नाम पर भी टोल वसूला जाता है, जो अन्यायपूर्ण एवं आपत्तिजनक है। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी के हालिया बयान में जनता के इस बड़े होते दुःख, धोखाधड़ी एवं शोषण पर न केवल दुःख जताया बल्कि ऐसी जबरन की जा रही वसूली को रोकने के लिये अधिकारियों को चेताया है। अपनी बात को बेबाकी से कहने वाले नितिन गडकरी ने अधिकारियों को दो टूक शब्दों में कहा कि यदि सड़कें अच्छी हालत में न हों और लोगों को लगातार परेशानियों का सामना करना पड़ रहा हो, तो राजमार्ग पर एजेंसियों द्वारा टोल टैक्स वसूलने का कोई औचित्य नहीं है। उन्होंने कहा कि टोल टैक्स वसूलने से पहले हमें अच्छी सेवाएं देनी चाहिए। लेकिन हम अपने आर्थिक हितों की रक्षा के लिये टोल टैक्स वसूलने की जल्दी में रहते हैं। रोड टैक्स का उपयोग राज्य के भीतर सड़कों के रखरखाव और विकास के लिए किया जाना चाहिए न कि सरकार की आमद को बढ़ाने के लिये। ऐसे अनेक उदाहरण है कि बिना सुविधा एवं आवश्यकता के भी टोल टैक्स वसूला जा रहा है। राज्य सरकारें भी स्वतंत्र रूप से टोल वसूलती है। दूसरी ओर, टोल टैक्स एक उपयोगकर्ता शुल्क है जिसे वाहन मालिकों को राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण या निजी ठेकेदारों को कुछ टोल सड़कों, जैसे राष्ट्रीय राजमार्ग, एक्सप्रेसवे, पुल और सुरंगों का उपयोग करने के लिए देना पड़ता है। जो अन्य सड़कों की तुलना में इन सड़कों को उच्च गुणवत्ता और सुरक्षा मानकों की माना जाता है। निश्चित रूप से केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने सड़क-क्रांति की है बल्कि व्यवस्था की खामियों को सुधारने के भी सराहनीय प्रयास किये हैं।

किसी देश को विवेकपूर्ण, बेहतर सुविधाओं एवं विकास के नये मानकों के साथ चलाने के लिए सरकार को पात्र नागरिकों से बेहतर सुविधाओं के

लिये कर एकत्र में कोई ऐतराज नहीं है; लेकिन सड़कें हो या अन्य सुविधाएं, अच्छी नहीं होने पर भी टोल टैक्स या अन्य टैक्स वसूलने पर उपभोक्ता स्वयं को ठगा हुआ एवं शोषित महसूस करता है, जिसके कारण टोल टैक्स या अन्य टैक्स वसूलने वाली एजेन्सियों के खिलाफ शिकायतें बढ़ती जा रही है। टोल टैक्स प्रणाली सरकार या निजी ठेकेदारों के लिए राजस्व सृजन का स्रोत नहीं होनी चाहिए, बल्कि जनता के लिए बेहतर और सुरक्षित सड़कें उपलब्ध कराने का साधन होनी चाहिए। निश्चित तौर पर गुणवत्ता की सेवा दिए बिना कोई टैक्स वसूलना उपभोक्ता के साथ धोखाधड़ी एवं अन्याय है। यह बात हर सरकारी व निजी महकमे पर भी लागू होती है। लेकिन यथार्थ में ऐसा होता नहीं है और बेहतर सेवा के बिना टैक्स वसूलने की स्थितियां लगातार बढ़ती जा रही है। इन स्थितियों को लेकर आम जनता एवं उपभोक्ताओं में विरोध एवं विद्रोह पनप रहा है, इसलिये सरकार एवं ऐसी एजेन्सियों के खिलाफ लोग लोक अदालतों से लेकर विभिन्न अदालतों के दरवाजे खटखटाते रहते हैं। किसी भी विभाग को अपनी खामियों पर पर्दा डालने के बजाय सेवा में सुधार की पहल करनी चाहिए। अब चाहे मामला राष्ट्रीय राजमार्गों पर कार्यरत एजेंसियों का हो या फिर बिजली-पानी जैसे मूलभूत जरूरतों वाले विभागों का, अधिकारियों को उपभोक्ताओं के प्रति संवेदनशील एवं जिम्मेदार होना चाहिए।

नियंत्रण से बाहर होती हमारी व्यवस्था हमारे लोक-जीवन को न केवल अस्त-व्यस्त कर रही है, बल्कि आहत, पीड़ित एवं परेशान भी कर रही है। ऐसी अनेक सुविधाएं हैं जो सरकार के द्वारा जनता के लिये उपलब्ध कराई जाती है, इसके लिये सरकार टैक्स वसूलती है। लेकिन बिना सुविधा के भी टैक्स वसूलने की स्थितियां सरकार पर बदनूमा दाग है और ऐसे दाग लगातार बढ़ते जा रहे हैं। बहरहाल बात राजमार्गों पर वसूले जा रहे गैर वाजिब टोल टैक्स के बढ़ने की चिन्ता का है, जो एक त्रासदी है। इसी त्रासदी को केंद्रीय भूतल परिवहन मंत्री ने स्वीकारा और कहा कि सड़कें अच्छी नहीं होने पर तमाम शिकायतें हमें मिलती हैं। दूसरी ओर सोशल मीडिया पर लोग अपना गुस्सा जाहिर करते हैं।

सही मायनों में गुणवत्ता की सड़क प्रदान करने पर ही हमसे टोल वसूलने का अधिकार मिलता है। जाहिर सी बात है कि गड्ढों व कीचड़ वाली सड़कों पर टैक्स वसूलने पर पब्लिक की नाराजगी स्वाभाविक रूप से सामने आएगी। निस्संदेह, परिवहन मंत्री की स्वीकारोक्ति एक अच्छा कदम एवं स्वागतयोग्य कदम है और हर विभाग के मंत्री को अपने अधीनस्थ विभागों की ऐसी कारगुजारियों एवं ज्यादतियों पर नजर रखनी चाहिए। जरूरत इस बात की भी है कि ऐसी शिकायत दर्ज करने और शिकायतों के तुरंत निवारण हेतु एक स्वतंत्र तंत्र भी विकसित किया जाना चाहिए।

कई स्थानों पर सड़कों की गुणवत्ता में कमी, सड़कों के निर्माण में तकनीकी खामियों का उजागर होना, गैरवाजिब टोल टैक्स वसूला जाना, उपभोक्ताओं को परेशान करता है। राष्ट्रीय राजमार्गों पर टोल टैक्स चुकाने के लिये घंटों लाइन में लगना भी एक बड़ी समस्या है, भले ही इस समस्या से मुक्ति के लिये सरकार ने कदम उठाये हैं, फास्टैग व्यवस्था के लागू करने से लाइनें छोटी हुई है। आज 98 प्रतिशत वाहनों में स्मार्ट टैग के माध्यम से निर्बाध यात्रा की जा रही है। निश्चित तौर पर राष्ट्रीय राजमार्गों व एक्सप्रेस-वे आदि के बनने से यात्रियों का आवागमन सुविधाजनक हुआ है, पेट्रोल-डीजल में बचत हुई है एवं यातायात सुगम बना है। मोदी सरकार ने सड़कों को सुविधाजनक बनाया है। आने वाले कुछ वर्षों में राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ग्लोबल नेविगेशन सैटेलाइट सिस्टम आधारित टोल संग्रह प्रणाली को अंजाम देने की तैयारी में है। जिसके बाद राष्ट्रीय राजमार्गों पर टोल गेटों की जरूरत नहीं रह जाएगी। फिर टोल प्लाजा पर गाड़ी धीमी करने व रोकने की भी जरूरत नहीं रहेगी। इसे देश में चरणबद्ध तरीके से शुरू किया जाएगा। यह व्यवस्था सड़क-क्रांति को एक नई दिशा देगा। दरअसल, यह नया सिस्टम न केवल सही ट्रैकिंग कर पाएगा बल्कि यह राजमार्ग पर उपयोग की गई दूरी के आधार पर सटीक टोल गणना भी करेगा। बहुत संभव है आने वाले वर्षों में कार निर्माता कंपनियां अपने वाहनों पर ट्रैकिंग डिवाइस लगाएं। प्रारंभ में इस सिस्टम को प्रमुख हाईवे व एक्सप्रेस-वे पर लागू किया जाएगा। इसके बावजूद सरकार के लिये यह जरूरी है कि वह सड़कों की गुणवत्ता को बनाये रखे एवं गुणवत्ता वाली सुविधा की सड़कों पर ही टोल वसूले।

राजमार्गों पर यात्रा करने के दौरान आपके बैंक खाते या डिजिटल वॉलेट से पैसा कट जाता है। इसमें भी गलत तरीके से पैसे कटने की शिकायतें बढ़ती जा रही है। किसी व्यक्ति के फास्टैग से बिना टोल से गुजरे टोल टैक्स काट लिया जाता है या ज्यादा टोल वसूल लिया जाता है, जो उपभोक्ताओं के लिये परेशानी का सबब है। भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक की 2019 की एक रिपोर्ट के अनुसार, सड़क निर्माण और रखरखाव के अपने लक्ष्यों को हासिल करने में विफल रहा है। रिपोर्ट में यह भी पाया गया कि एचएचआई ने टोल अनुबंधों को आकार देने और निगरानी के लिए निर्धारित प्रक्रियाओं का पालन नहीं किया है और टोल सड़कों की गुणवत्ता और सुरक्षा सुनिश्चित नहीं की है। रिपोर्ट में टोल संग्रह प्रणाली में पारदर्शिता और जवाबदेही की कमी और दोषपूर्ण टोल प्लाजा, ओवरचार्जिंग और लंबी कतारों के कारण सड़क उपयोगकर्ताओं को होने वाली परेशानी और असुविधा पर भी प्रकाश डाला गया है। इन सभी हालातों को देखते हुए भारत में राजमार्गों एवं सुविधा की सड़कों के नाम पर हो रही टोल टैक्स वसूली को औचित्यपूर्ण एवं न्यायसंगत बनाने की अपेक्षा है। सुविधा के नाम असुविधाओं, असुरक्षा एवं धोखाधड़ी की बढ़ती स्थितियों को गंभीरता से लेना होगा।

हूल दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय में किया गया भव्य कार्यक्रम का आयोजन

दुमका।

हूल दिवस के अवसर पर सिदो कान्हू मुर्मू विश्व विद्यालय दुमका में कुलपति प्रो बिमल प्रसाद सिंह की अध्यक्षता में दिन रविवार को भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में हिंदी विद्यापीठ देवघर की कुलपति डॉ प्रमोदिनी हांसदा शामिल हुईं। कार्यक्रम की शुरुआत विश्वविद्यालय परिसर के स्मारक टीले पर स्थित वीर सिदो कान्हू की प्रतिमा पर माल्यार्पण के साथ हुई। इसके बाद विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन-2 के कॉन्फ्रेंस हॉल में कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत विश्वविद्यालय के कुलगीत और दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुई। उसके बाद विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो बिमल प्रसाद सिंह ने मुख्य अतिथि डॉ प्रमोदिनी हांसदा और मुख्य वक्ता बिजय टुडू को पुष्पगुच्छ और शॉल देकर स्वागत किया। विश्व विद्यालय के डीएसडब्ल्यू डॉ. जेनेन्द्र यादव ने अपने स्वागत भाषण में कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों, विश्वविद्यालय के पदाधिकारियों, उपस्थित शिक्षकों एवं शिक्षकेत्तर कर्मचारियों का स्वागत करते हुए कहा कि हूल विद्रोह इस धरती के वीरों द्वारा जल, जंगल, जमीन और जन की रक्षा के लिए तत्कालीन सरकार के खिलाफ किया गया विद्रोह था। उन्होंने कहा कि हमें यह सोचने की जरूरत है कि क्या हम वाकई उन वीरों और वीरांगनाओं के सपनों का झारखंड बना पाए हैं।

मुख्य वक्ता डॉ बिजय टुडू ने हुल की प्रासंगिकता एवं हमारे जीवन पर इसके प्रभाव पर चर्चा करते हुए हुल विद्रोह के दौरान घटित ऐतिहासिक घटनाओं से सभी को परिचित कराया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर संथाली विभाग की सहायक प्राध्यापक डॉ शर्मिला सोरेन ने संथाली लोकगीतों के

माध्यम से हुल की प्रासंगिकता से सभी को परिचित कराते हुए कहा कि इतिहासकारों ने अन्य आंदोलनों की तरह संथाल हुल विद्रोह को इतिहास में स्थान नहीं दिया है, लेकिन संथाल समाज ने अपने लोकगीतों के माध्यम से यहां के लोगों के बीच हुल विद्रोह की प्रासंगिकता को बनाए रखा है।

इस अवसर पर संथाल अकादमी की उपनिदेशक डॉ सुमित्रा हेम्ब्रम ने हुल के ऐतिहासिक तथ्यों पर चर्चा करते हुए संथाल हुल क्रांति के नायक एवं नायिकाओं की गौरव गाथा से सभी को परिचित कराया। इस अवसर पर सामाजिक विज्ञान एवं वाणिज्य विभाग के डीन टीपी सिंह ने अपने विचार साझा करते हुए कहा कि हुल विद्रोह के क्रांतिकारियों से प्रेरणा लेते हुए हम सभी को हुल के वास्तविक उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए मिलकर काम करने की जरूरत है। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि डॉ. प्रमोदिनी हसदक ने कहा कि हूल विद्रोह से प्रेरणा लेकर सिदो कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए लड़ाई लड़ी गई थी, जिसका परिणाम है कि आज संथाल परगना की इस धरती पर यह विश्वविद्यालय बना है। विश्वविद्यालय स्तर पर आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को एक बार फिर से प्रस्तुति दी गई, जिसमें रमा देवी बाजला महाविद्यालय देवघर की ज्योतिका रावत ने हूल दिवस पर भाषण दिया, पीजी राजनीति विज्ञान विभाग की छात्रा खुशी कुमारी ने एकल नृत्य प्रस्तुत किया, एसपी महिला महाविद्यालय की छात्रा अभिशिक्त दास ने एकल गान प्रस्तुत किया, पीजी भूगोल विभाग की छात्राओं ने समूह गान प्रस्तुत किया तथा अंत में स्नातकोत्तर संथाली विभाग की छात्राओं ने समूह नृत्य प्रस्तुत किया।

विभिन्न प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को मुख्य अतिथि एवं विश्वविद्यालय के कुलपति द्वारा पुरस्कृत किया गया। अपने अध्यक्षीय संबोधन में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. डॉ. विमल प्रसाद सिंह ने सर्वप्रथम हूल क्रांति के वीर शहीदों को नमन करते हुए उनके आदर्शों पर चलने की बात कही। उन्होंने कहा कि यह क्रांति आदिवासियों द्वारा अपने जल, जमीन, जंगल और अपनी अस्मिता को बचाने के लिए किया गया विद्रोह था। अपने भाषण में उन्होंने कहा कि आदर्शों, नैतिकता और मूल्यों को ध्यान में रखते हुए संथाल हूल विद्रोह के नायक-नायिकाओं के बताए रास्ते पर चलते हुए वर्तमान समस्याओं को दूर करने के लिए आवाज उठाने की जरूरत है, ताकि हूल का सही उद्देश्य यानी जल, जंगल और जमीन का संरक्षण हो सके।

विश्वविद्यालय के सीसीडीसी डॉ. अब्दुस सत्तार ने अपने धन्यवाद ज्ञापन में सर्वप्रथम विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. डॉ. विमल प्रसाद सिंह को हूल दिवस कार्यक्रम को भव्य बनाने के लिए धन्यवाद दिया। उसके बाद उन्होंने मुख्य अतिथि, अतिथियों और कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों को धन्यवाद दिया। राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

कार्यक्रम के सफल समापन पर मीडिया से बात करते हुए कुलपति प्रो विमल प्रसाद सिंह ने कहा कि तीन दिवसीय हूल कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए पूरा विश्वविद्यालय परिवार बधाई का पात्र है। इस कार्यक्रम का सफल आयोजन विश्वविद्यालय के सभी कर्मचारियों के सहयोग से ही संभव हो पाया है। उन्होंने इस कार्यक्रम के संयोजकों और सभी समितियों के सदस्यों के कार्यों की सराहना की। आज के कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के सभी पदाधिकारी, सभी संकायों के डीन, सभी विभागों के विभागाध्यक्ष, विभिन्न महाविद्यालयों के प्राचार्य/प्राचार्य, शिक्षक, शिक्षकेत्तर कर्मचारी आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम में मंच संचालन स्नातकोत्तर इतिहास विभाग की सहायक प्रोफेसर अमिता कुमारी ने किया।

न्यूज़ अपडेट

हूल दिवस के अवसर पर छात्र चेतना संगठन की ओर से पोखरा चौंक स्थित सिदो-कान्हू व श्री अमड़ा स्थित फूलो झानो की आदमकद प्रतिमा पर किया गया माल्यार्पण

दुमका । संगठन के केंद्रीय प्रमुख हिमांशु मिश्रा, जिला छात्रा प्रमुख मालोती टुडू, महासचिव राकेश मिश्रा, जिला कार्यसमिति सदस्य चंदन पाल, केशव मिश्रा, फिलोमिन, शषी केशरी,आर्यन राज,दुर्गेश यादव,अनुराग आर्या सहित दर्जनों छात्र छात्राएं इस अवसर पर उपस्थित थे।

माल्यार्पण कार्यक्रम के दौरान सभी सी सी एस योद्धाओं ने सिद्धो कान्हू अमर रहे, वंदेमातरम्,भारत माता की जय फूलो झानो अमर रहे का जयघोष किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए हिमांशु मिश्रा ने कहा कि आज फिर से एक हूल कि आवश्यकता है लेकिन यह हूल अशिक्षा को लेकर, पार्यावरण संरक्षण को लेकर और समाज और राष्ट्र में फैले कुरितियो के खिलाफ, धार्मिक उन्माद और कट्टरता के लिए और देश में व्याप्त भ्रष्टाचार को लेकर होगा।

इसके लिए समाज के अच्छे और राष्ट्रवादी युवाओं को आगे आने की आवशयकता है। आज देश धार्मिक उन्माद और कट्टरता के जिस मुहाने पर खड़ा है। यह भविष्य के लिए अच्छे संकेत नहीं है। प्रथम राष्ट्र के भाव का जागरण करना होगा और इस कार्य के लिए अगस्त के प्रथम सप्ताह से छात्र चेतना संगठन अपना युवा जागरण कार्यक्रम प्रारंभ करने जा रहा है।

सांसद नलिन सोरेन ने वीर शहीद सिदो-कान्हू की प्रतिमा पर किया माल्यार्पण

दुमका। हुल दिवस के अवसर पर दिन रविवार को दुमका के सांसद नलिन सोरेन ने शिकारीपाड़ा प्रखंड मुख्यालय में स्थित अमर शहीद सिदो कान्हु की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किया। वीर शहीद सिदो कान्हू को श्रद्धांजलि देने के बाद नलिन सोरेन ने कहा कि वर्ष 1855 में इन्हीं वीर सपूतों की वजह से अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ एक बड़ा आंदोलन हुआ था, जिसने अंग्रेजों के छक्के छुड़ा दिए थे।

महाजनी प्रथा के विरुद्ध उपरोक्त ने हूल का बिगुल फूंका था, जिसमें उन्हें व्यापक जन समर्थन मिला था। इस अवसर पर सांसद श्री सोरेन ने ग्राम प्रधानों के बीच प्रतिवर्ष की तरह धोती साड़ी का वितरण किया गया। नलिन सोरेन के साथ जिला प्रवक्ता अब्दुल सलाम, जिला परिषद सदस्य प्रकाश हांसदा, कलीमुद्दीन अंसारी, प्रभुनाम हांसदा, तमीज अंसारी, लालका मियां सहित काफी संख्या में झामुमो कार्यकर्ता मौजूद थे। शिकारीपाड़ा बीडीओ एजाज आलम व सीओ कपिल देव ठाकुर भी इस अवसर पर मौजूद थे।

सहायक अध्यापक ने सरकार के विरुद्ध निकला मसाल जुलूस

देवघर। देवघर झारखंड सहायक अध्यापक संघर्ष मोर्चा के आहवान पर जिले भर के सभी प्रखंडों में सहायक अध्यापक संघ की ओर से हूल दिवस के मौके पर सरकार के विरुद्ध विभिन्न मांगों को लेकर मसाल जुलूस निकाला। मौके पर संघ के अध्यक्ष महेश यादव ने बताया कि

झारखंड मुक्ति मोर्चा द्वारा चुनाव के पूर्व यह घोषणा की गई थी कि अगर मेरी सरकार का गठन होता है तो 3 माह के अंदर सहायक अध्यापक को वेतनमान, कल्याण कोर्स का लाभ, अनुकंपा का लाभ, समान काम समान वेतन लागू कर दी जाएगी इसको लेकर सभी सहायक अध्यापकों ने चुनाव में जी तोड़ मेहनत कर झामुमो को जीत दिलाई लेकिन यह सरकार 4:30 वर्ष का कार्यकाल बीत जाने के बाद भी अभी तक इन मांगों पर कोई विचार नहीं किया गया अगर समय रहते सरकार इन मुद्दों पर कोई विचार नहीं करती है तो सहायक अध्यापक संघ उग्र आंदोलन करेगी साथ ही 20 जुलाई को मुख्यमंत्री आवास घेराव भी किया जाएगा इस रैली में दर्जनों सहायक अध्यापक उपस्थित थे

क्लब द्वारा नि:शुल्क नेत्र एवं दंत चिकित्सा शिविर का आयोजन, दांत दर्द से परेशान रोगी मुस्कुराते हुए घर को गए

दुमका।

लायंस क्लब दुमका स. प. के तत्वावधान में दिन रविवार को एक दिवसीय निशुल्क नेत्र एवं दंत चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। श्री रामपाड़ा स्थित मल्टी स्पेशलिटी डेंटल क्लिनिक में आयोजित शिविर में कुल 84 रोगियों का नामांकन हुआ, जिसमें पुरुष रोगी 52, महिला रोगी 23 और 09 बच्चों की जांच शहर के जाने माने दंत चिकित्सक लायन डॉ0 शमीम अंसारी एवं आप्थाल्मालॉजिस्ट दिवाकर वत्स एवं उनके 6 सदस्यीय टीम के द्वारा किया गया।

सभी रोगियों का ब्लड प्रेशर,

मधुमेह जांच, हीमोग्लोबिन जांच एवं दंत रोगियों का एक्सरे किया गया। जांचोपरांत पुअर ओरल हाइजीन के 24, दन्त छय के 6, पायरिया के 9 मरीज, एवं 03 मरीज में शिष्ट के लक्षण पाए गए, 5 रोगियों के दांत निकालने की जरूरत महसूस हुई उन्हें दांत निकाल कर उन सभी रोगियों का इलाज किया गया।

सभी नेत्र रोगियो का आंखों का स्क्रीनिंग किया गया जाँच में 6 रोगी मोतियाबिंद से ग्रस्त पाए गए जिन्हें ऑपरेशन हेतु रेफर किया गया। कुछ रोगियों को देखने में असुविधा हो रही थी जिन्हें पावर चश्मा की जरूरत महसूस हुई उन्हें क्लब द्वारा चश्मा दिया जाएगा।

सभी जरूरतमंद रोगियों को निःशुल्क दवा दिया गया। 6 मरीजों मैं उच्च रक्तचाप पाए जाने पर फिजिशन चिकित्सक के पास रेफर किया गया। जांच में 08 रोगियों में मधुमेह ज्यादा मात्रा में 05 रोगियों में हीमोग्लोबिन की मात्रा बहुत कम पाया गया उन्हें भी दवा एवं उचित सलाह दिया गया।

लायन डॉक्टर शमीम अंसारी ने कहा कि कई बार हम दांत दर्द को मामूली बीमारी मानकर नजर अंदाज कर देते हैं। लेकिन बाद में यही अन्य रोग जैसे पायरिया, कैविटी, मसूड़ों में दर्द के जरिए किसी बड़े रोग के रूप में सामने आता है। इसलिए दांतदर्द को कभी भी हल्के में नहीं लिया जाना चाहिए।

क्लब के जन-संपर्क पदाधिकारी लायन रमण कुमार वर्मा ने कहा। गरीबों और असहाय लोगों की सेवा करना एक पुण्य का काम है। ऐसे बीमार मरीज जो अपना इलाज नहीं करा पाते उनके लिए क्लब द्वारा निरंतर निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजित कर मरीजों को निःशुल्क दवा का वितरण भी किया जाता है और उन्होंने रोगी एवं उनके अभिभावकों से अपील कि अच्छे स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए स्वच्छ जीवन-शैली बनाए रखने का आग्रह किया। मौके पर क्लब के अध्यक्ष लायन डॉक्टर शमीम अंसारी, लायन रमण कुमार वर्मा, लायन डॉ. मनोज कुमार घोष, लायन डॉ अखिलेश कुमार सिन्हा, लायन राजेंद्र प्रसाद गुप्ता, लायन शुभाष सिंह, लायन सतीश कुमार, लायन सुमन कुमार साह, लायन अमुल्य पाल, लायन दिवाकर वत्स, लायन शहनाज परवीन, लायन मधुकर दत्ता और मल्टी स्पेशलिटी डेंटल क्लीनिक के मोहम्मद तनवीर हुसैन, शुभम रॉय, अब्दुल मन्नान, राजीव पांडे, अब्दुल राशिद, प्रतीक जाँच घर के टेक्नीशियन, रोगी के अभिभावक के अलावे क्लब के अन्य सदस्य मौजूद थे।

संताल परगना में जनजातीय संस्कृति खतरे में, वर्ष 1951 से 2011 के बीच मुस्लिम आबादी में हुई अप्रत्याशित वृद्धि : बाबूलाल मरांडी

दुमका।

संथाल परगना के दौरे पर उपराजधानी दुमका पहुंचे भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने हुल दिवस के अवसर पर हुल क्रांति के महानायक वीर शहीद सिदो कान्हू की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर श्री मरांडी ने कहा कि 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के 2 वर्ष पूर्व ही संथाल परगना की धरती से अमर शहीद सिदो कान्हु के नेतृत्व में अंग्रेजो के अत्याचार के खिलाफ हजारों जनजातीय समुदाय के भाई-बहनों ने संघर्ष किया, बलिदान दिए, जो हुल के नाम से प्रसिद्ध है। उन्होंने कहा कि हुल के कारण ही आदिवासियों के जल जंगल जमीन और संस्कृति की रक्षा केलिए एस पी टी ,सीएनटी जैसे कानून बने।

श्री मरण्डी ने कहा कि संथाल परगना की संस्कृति आज खतरे में है। श्री मरांडी ने आदिवासियों की तेज गति से घटती जनसंख्या पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि 1951 की

जनगणना से लेकर 2011की जनगणना के बीच आबादी का विश्लेषण करें तो भयावह तथ्य उजागर होते हैं। 1951 में आदिवासियों की आबादी 44.69 % थी, जो 2011 में 16% घट-कर 28.11% हो गई, जबकि मुस्लिम आबादी इस बीच 9.44 % से बढ़कर 22.73 % हो गई। शेष समुदाय की आबादी 45.9 % से बढ़क र 49 % ही हुई। उन्होंने कहा कि अगर इसी प्रकार जनजाति समाज की आबादी घटती रही तो आजादी के 100साल और हुल आंदोलन के लगभग 200साल पूरा होते होते संथाल जनजाति समाज का अस्तित्व ही समाप्त हो जाएगा। उन्होंने कहा कि संथाल परगना के साहेबगंज और पाकुड़ जिला की स्थिति तो बद से बदतर होती जा रही।

उन्होंने कहा कि जनजातियों के जल जंगल जमीन की सुरक्षा के कानून तो मौजूद हैं लेकिन उनका अस्तित्व पूरी तरह खतरे में है। उन्होंने राज्य सरकार से मांग किया कि इसकी जमीनी स्तर पर गहराई से जांच होनी चाहिए। श्री मरांडी ने राज्य सरकार से इस संबध में एस आई टी गठित कर जांच कराने की मांग की।

हूल दिवस पर सारजोम बेडा क्लब की मोटरसाइकिल रैली

दुमका। हूल दिवस के अवसर पर दिन रविवार को सारजोम बेडा क्लब, दुमका की ओर से शहर में विशाल मोटरसाइकिल रैली का आयोजन किया गया। रैली का शुभारंभ अध्यक्ष ब्रह्मदेव सोरेन व सचिव राजेश

सोरेन की अगुवाई में सारजोम बेडा क्लब परिसर से किया गया। सर्वप्रथम महिला कॉलेज चौक पर स्थापित महापुरुष बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर क्लब के सदस्यों ने माल्यार्पण किया, तद्पश्चात बाबा साहेब अम्बेडकर, स्वामी विवेकानंद, वीर शहीद तिलका मांझी, राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और फिर बाद में वीर कुँवर सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। वहाँ से रैली टिन बाजार चौक होते हुए दुधानी टावर चौक तथा वहाँ से रसिकपुर रोड होते हुए फूलो झानो चौक फिर लाल बाबा (एस पी कॉलेज) सिदो कान्हू (पोखरा चौक) पर माल्यार्पण एवं श्रद्धा सुमन अर्पित किया गया।

उपरोक्त सभी महापुरुषों के प्रतिमाओं पर अध्यक्ष-ब्रह्मदेव सोरेन,सचिव-राजेश सोरेन, संरक्षक-निक्सन सोरेन,मार्टिन किस्कु,क्रिस्टोफर टुडू, एमी हांसदा, विकास मरांडी, बप्पी, राकेश, संजय मामा, संतोष, नवजीत, विनय, बीरू, बबलू, ग्लैडसन, राजेश टुडू, राजू सहित कुल 200 सदस्य ने रैली में भाग लिया।

स्वास्थ्य कार्यकर्ता की नियुक्ति के विज्ञापन में भेदभाव बर्दास्त नहीं, जाति जनगणना होने तक मिले 36 प्रतिशत आरक्षण

दुमका।

हूल दिवस के अवसर पर पिछड़ा वर्ग संघर्ष मोर्चा संताल परगना के बैनर तले केंद्रीय अध्यक्ष असीम मंडल के नेतृत्व में शहर के पोखरा चौक स्थित सिदो-कान्हू की आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण कर अमर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। श्रद्धासुमन अर्पित करने के पश्चात मोर्चा के सदस्यों ने एक बैठक आयोजित कर सम्प्रति झारखंड सरकार द्वारा निकाली गई नियुक्तियों में ओबीसी वर्ग के आरक्षण पर मनमाने ढंग से कटौती, बेरोजगार युवाओं को प्रताड़ित करने के उद्देश्य से संताल परगना प्रमंडल के अभ्यर्थियों के परीक्षा केन्द्र सुदुर हजारीबाग और जमशेदपुर में देने और जाति जनगणना पर विचार विमर्श किया गया।

मोर्चा के महासचिव दयामय माजि तथा बुद्धिजीवी मंच के शिवनारायण

पिछड़ा वर्ग संघर्ष मोर्चा की ओर से अमर शहीद सिदो कान्हू को दी गई श्रद्धांजलि

दर्वे ने सदस्यों को जानकारी दी कि झारखंड सरकार द्वारा स्वास्थ्य विभाग अंतर्गत झारखंड क्षेत्रीय कार्यकर्ता प्रतियोगिता परीक्षा के लिए 510 पदों की नियुक्ति हेतु विज्ञापन निकाला गया है ,जिसमे बीसी 2 को निर्धारित 6% की जगह मात्र 1.5% आरक्षण दिया गया है। सदस्यों ने एकमत होकर पिछड़ों के हकमारी करने वाले पदाधिकारियों को चिह्नित कर कारवाई करने तथा समुचित संशोधन हेतु धरना प्रदर्शन और आंदोलन करने का निर्णय लिया गया। अध्यक्ष असीम मंडल ने कहा कि सरकार जाति जनगणना के लिए निर्णय लिया है जो स्वागत योग्य है, परन्तु आरक्षण और रोजगार देने में मनमानी बर्दास्त नहीं करेंगे। सरकार को अविलंब ओबीसी जैसे महत्वपूर्ण और बड़े जनसंख्या को वाजिब हक देने में आनाकानी ठीक नहीं है। विचार विमर्श के बाद इन मुद्दों को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन, स्थानीय विधायक सह मंत्री बसंत सोरेन, आयुक्त और उपायुक्त से प्रतिनिधि मंडल मिलकर वस्तुस्थिति से अवगत कराकर ज्ञापन सौंपने का निर्णय लिया गया। दोषी पदाधिकारियों को अविलंब चिह्नित कर उचित कार्रवाई की मांग की जायेगी।

केंद्रीय प्रधान महासचिव डॉ अमरेन्द्र कुमार यादव ने कहा कि पिछड़ा वर्ग आयोग ने 36 प्रतिशत आरक्षण देने की अनुशंसा किया है। इसलिए जब तक जातिगत जनगणना नहीं हो जाती है तबतक सभी नियुक्ति में 36 प्रतिशत आरक्षण पिछड़ा वर्ग को दिया जाय। वर्तमान वैकेंसी में नियमानुसार 510 रिक्ति में तीस पद पर ओबीसी बीसी 2 का आरक्षण के बदले मात्र सात पद पर आरक्षण देना कहीं न कहीं बड़ी साज़शि का बु आती है। इसे सरकार को अबिलंब सुधार कर सही आरक्षण देना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि सभी प्रतियोगिता परीक्षाओं में छात्र छात्राओं को प्रताड़ित करने के उद्देश्य से तीन सौ से चार सौ किलोमीटर दुर दुर परीक्षा केन्द्र दिया गया है, अविलंब इसमें सुधार कर अपने गृह जिला के बगल के जिला में दिया जाना चाहिए। कोषाध्यक्ष अजित मांझी ने अपने हक और अधिकार की लड़ाई के लिए जरुरत पड़े तो कानुनी लड़ाई भी लड़ी जायगी।

मौके पर महासचिव रंजीत जयसवाल, बिहारी यादव, मंतोष कुमार महतो, रंजीत जयसवाल, मदन प्रसाद गुप्ता, सुभाष मंडल, बिहारी यादव, जयकांत जयसवाल, राजेन्द्र महतो, विनोद यादव, अरुण कुमार, पवित्र कुमार मंडल, सुबोध यादव, सूरज जायसवाल, सुजल चंद्रवंशी, नारायण चंद्र वेद जगबंधु मंडल, जियाधर मंडल सहित दर्जनों लोग शामिल थे।

न्यूज़ अपडेट

अस्पताल पहुंचकर क्षेत्र के इलाजरत लोगों से विधायक अंबा प्रसाद ने की मुलाकात

बड़कागांव । विधायक अंबा प्रसाद ने बड़कागांव प्रखंड अंतर्गत तलसवार पंचायत के ग्राम निमियाटोला निवासी निरोज करमाली से अस्पताल पहुंचकर मुलाकात की।निरोज करमाली विगत दिनों जरजरा में दुर्घटनाग्रस्त हो गए थे वह वर्तमान में गांधी नगर हॉस्पिटल में इलाजरत है।विधायक ने उनसे मुलाकात कर उनका कुशल छेम जाना।इस दौरान बड़कागांव पुर्वी जिला परिषद प्रतिनिधि दीपक करमाली भी मौजूद रहे।वहीं बड़कागांव प्रखंड क्षेत्र के चोपदार बलिया निवासी दशरथ चौधरी लिवर रोग से ग्रसित है व रांची के मेदांता अस्पताल में भर्ती हैं। विधायक अम्बा प्रसाद ने अस्पताल पहुंचकर उनसे भी मुलाकात की एवं उनका भी कुशलक्षेम जाना।विधायक अंबा प्रसाद ने उक्त दोनों लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।

ब्रह्मभोज कार्यक्रम में शामिल हुई विधायक अंबा प्रसाद

बड़कागांव। स्थानीय विधायक अंबा प्रसाद ने बड़कागांव प्रखंड क्षेत्र के नयाटांड़ पंचायत अंतर्गत ग्राम कुम्हरडीहा निवासी जगतपाल ठाकुर के पिता स्वर्गीय विशेश्वर ठाकुर के ब्रह्मभोज कार्यक्रम में शामिल हुई व दिवंगत आत्मा के शांति हेतु श्रद्धा सुमन अर्पित किया।

सुशील कुमार महतो ने जनसंपर्क के तहत किया विभिन्न गांवों का दौरा

विष्णुगढ़। आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर लगभग विधानसभा क्षेत्रों में लोगों ने दावेदारी पेश करनी शुरू कर दी है। मांडू विधानसभा से भी कई लोग दावेदारी पेश करते हुए जनता के बीच रूबरू होते नजर आ रहे हैं और ज्यादा से ज्यादा लोगों के बीच पहुंच कर समर्थन जुटाने में लग चुके हैं। इसी क्रम में मांडू विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत विष्णुगढ़ प्रखंड निवासी भाजपा नेता सुशील कुमार महतो ने अपनी दावेदारी पेश करते हुए जनसंपर्क के तहत चुरचू प्रखंड का दौरा किया। इसके पूर्व घाटो में जनसंपर्क अभियान के दौरान सुशील कुमार महतो को लोगों ने अपनी समस्या से अवगत कराया। वही चुरचू प्रखंड के भाजपा कार्यकर्ताओं से मिलकर सभी की जनसमस्या से रूबरू हुए। इसके अलावा चरही, आंगो, उदलू, बेड़म एवं टाटीझरिया का संघन दौरा किया। इस दौरान नकुल महतो, नीरज कुमार महतो, निर्मल महतो, प्रयाग महतो, संतोष महतो, प्रमोद महतो, महेंद्र नारायण सिंह, अनूप कसेरा समेत काफी संख्या में उनके समर्थक मौजूद थे।

अजय कुमार मंडल की अध्यक्षता में आजसू ने मनाया हूल दिवस

विष्णुगढ़। आजसू पार्टी की विष्णुगढ़ प्रखंड इकाई ने रविवार को प्रखंड कोषाध्यक्ष दिपु अकेला के आवास में प्रखण्ड अध्यक्ष अजय कुमार मंडल की अध्यक्षता में हुल दिवस मनाया। आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि जिला उपाध्यक्ष लिलो महतो ने उपस्थित होकर वीर शहीदों के चित्र पर माल्यार्पण कर नमन किया। इस दौरान कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि ने बताया कि 30 जून का खास महत्व है। इसी दिन संथाल धनुर्धारियों ने अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ पहली जंग का आगाज किया था। जिसे संथाल विद्रोह या संथाल हूल के नाम से याद किया जाता है। इतिहास के पन्नों में ऐसे सिपाही विद्रोह को आजादी की पहली लड़ाई माना जाता है। हुल दिवस स्वतंत्रता संग्राम का पहला विद्रोह, ऐसी क्रांति जिसने अंग्रेजी सरकार की नींद उड़ा दी थी। संथाली भाषा में हूल का शाब्दिक अर्थ विद्रोह है। जिसमें करीब 30 हजार से अधिक धनुर्धरों ने अपनी कुर्बानी दी थी। तब बिहार और ओडिशा और अब झारखंड एकीकृत बंगाल का हिस्सा हुआ करता था। इसी क्रम में कभी जंगल तराई के नाम से जाना जाने वाला अब झारखंड के संथाल परगना के साहेबगंज जिले के भोगनाडीह से आंदोलन की शुरुआत हुई थी। प्रखण्ड अध्यक्ष अजय कुमार मंडल ने संबोधित करते हुए कहा कि 30 जून 1855 को भोगनाडीह गांव में पहुंचकर संथाल विद्रोहियों ने अंग्रेजों से आमने-सामने की जंग का एलान करने के साथ मालगुजारी नहीं देने और अंग्रेज हमारी माटी छोड़ो का जोर-शोर से एलान किया था। संथाल की माटी के सभी शहीदों की याद में हर साल 30 जून को हूल दिवस मनाया जाता है।कार्यक्रम में मुख्य रूप से दिपु अकेला, गोविंद महतो, राज कुमार सिंह पंकज महतो , टिंकू कसेरा आदि शामिल थे।

झारखंड मुक्ति मोर्चा पार्टी ने मनाया हुल दिवस

इचाक संवाददाता। इचाक झारखंड मुक्ति मोर्चा प्रखंड संयोजक मंडली इचाक के द्वारा संथाल हुल के महान विभूतियां को भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी गई 30 जून 1855 को अंग्रेजी हुकूमत के बढ़ते शोषण और उत्पान के विरोध सिंधु कानों चांद भैरव के नेतृत्व में संतला के भोगड़िया ग्राम से विद्रोह का सनाखान हुआ था सिंधु कानूहु चंद भैरव फूलों झानो आदि विभूतियां को भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी गई इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से प्रखंड 20 सूत्री अध्यक्ष मनोहर राम रामचंद्र मेहता पूर्व प्रखंड अध्यक्ष गंगेश्वर मेहता मुखिया संघ के जिला अध्यक्ष सह झामुमो के वरिष्ठ नेता रंजीत कुमार मेहता प्रखंड 20 सूत्री सदस्य दिगम्बर कुमार मेहता बाबुन हसदा उमेश मेहता रामदिप मेहता बांसी मेहता सुरेंद्र मेहता रामफल मेहता लखि राम मांझी सुरेश टुडू विनोद सोरेन एमडी कदीर महादेव मांझी राजेश मुर्मू पानो मुरमुर एवं दर्जनों कार्यकर्ता उपस्थित है

सहायक शिक्षक ने मसाल जुलूस निकालकर किया आंदोलन का आगाज

संवाददाता बरही

बरही। हुल दिवस के अवसर पर सहायक शिक्षक संघर्ष मोर्चा प्रखंड कमिटि बरही की बैठक अब्दुल कलाम पार्क में किया गया। बैठक में बरही प्रखंड के तमाम सहायक शिक्षक शिक्षिकाएँ उपस्थित हुए। सभी ने एक स्वर में संकल्प लेते हुए कहा कि यदि सरकार हमारी चित परिचित मांग वेतनमान, ईपीएफ एवं अनुकंपा पर नौकरी को पूरा नहीं करती है तो अधिक से अधिक संख्या में आगामी 20 जुलाई 2024 को मुख्यमंत्री आवास का अनिश्चितकालीन घेराव रांची किया जाएगा। विगत सरकार के द्वारा आश्वासन दिया गया था कि मेरी सरकार बनते के साथ राज्य के सभी सहायक शिक्षकों को भविष्य सुरक्षित करते हुए वेतनमान दिया जाएगा परंतु आज साढ़े चार साल सरकार बने हो गया लेकिन आज तक इस पर कोई पहल नहीं हुई। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में झारखंड प्रदेश सहायक शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष संजय कुमार दुबे उपस्थित थे। उन्होंने कहा अन्य सरकार के द्वारा तरह इस सरकार का भी रवैया सहायक शिक्षकों के प्रति अच्छी नहीं रही है। जिस प्रकार अन्य सरकार ठगी करती थी उसी प्रकार यह सरकार के द्वारा राज्य के सहायक शिक्षकों को ठग रही है। आज तक सरकार के द्वारा राज्य के सहायक शिक्षकों को वेतनमान और ईपीएफ नहीं देना दुर्भाग्यपूर्ण है। मोर्चा यह मांग करती है कि जल्द से जल्द सुबे के मुख्यमंत्री चंपई सोरेन सहायक शिक्षकों के मांगों पर विचार करें अन्यथा सहायक शिक्षक एकजुटता का परिचय देते हुए इसका विरोध आगामी चुनाव में झेलने के लिए तैयार रहे। प्रखंड सचिव मनोज कुमार घोष ने कहा कि इस सरकार में जो कुछ भी मिला वह स्व. जगन्नाथ महतो के द्वारा ही दिया गया उनके चले जाने के बाद यह सरकार गहरी निंद्रा में सो गई है। आगे कोई भी पहल इस सरकार के द्वारा अभी तक नहीं किया गया है, जिससे शिक्षकों में आक्रोश है। बैठक के पश्चात सहायक अध्यापकों के द्वारा मशाल जुलूस निकालकर आंदोलन का आगाज किया गया। बैठक में प्रदेश अध्यक्ष संजय कुमार दुबे, जिला उपाध्यक्ष अजय प्रजापति, प्रखंड अध्यक्ष दीनानाथ प्रसाद, प्रखंड सचिव मनोज कुमार घोष, चौपारण प्रखंड अध्यक्ष राम अवतार प्रजापति, सचिव सीताराम, सीआरसी अध्यक्ष मेघलाल महतो, जगदीश प्रसाद, दीपक कुमार यादव, रंजीत कुमार सिंह, नसरीन बानो, सुरेंद्र यादव, कलीम अंसारी, मो सनोवर, मनोज ठाकुर, आशीष कुमार ठाकुर, नवरत्न कुमार, सरफराज खान, सुनील यादव, लालमणि सिंह, नंदलाल राणा, सुभाष यादव, अफरोज आलम, दिनेश यादव, ब्रह्मदेव पासवान, रामस्वरूप यादव, फुलेश्वर सिंह, विमला कुमारी, सरिता कुमारी, सुनीता कुमारी, आरती देवी, रेखा कुमारी, सोनमती कुमारी, रानी खातून, सुमन कुमारी, आशा कुमारी, सुनीता कुमारी, संजू कुमारी, शीला कुमारी, ललिता कुमारी, पुष्पा कुमारी, सरोज कुमारी, आशा लता सुशीला कुमारी, सरिता देवी, शाहिदा निखत, कृपाल राम, निर्मल कुमार आदि सैकड़ो शिक्षक शामिल हुए।

किसान बेरोजगार विस्थापित प्रभावित कल्याण समिति की बैठक संपन्न

केरेडारी।

केरेडारीः किसान बेरोजगार विस्थापित प्रभावित कल्याण समिति की बैठक बीते रविवार को पेटो पंचायत भवन परिसर में आयोजित की गयी।जिसकी अध्यक्षता मुखिया प्रतिनिधि गुरुदयाल साहू,संचालन पंसस अरविंद साहू ने किया।बैठक क मुख्य उदेशय चट्टी बरियातू से चलने वाली कोल वाहन से कोयला ढुलाई नई वैकल्पिक सड़क मार्ग से शुरूआत किया जाना।इसको लेकर रैयत किसान के बीच कई समस्याओ का सामना वर्तमान समय में प्रकट होगी।जिसकी वक्ताओं ने बारी बारी समस्याओ के ऊपर प्रकाश डाला गया।बैठक में निर्णय ली गयी की वैकल्पिक सड़क मार्ग से 100 मीटर से 200 मीटर प्राथमिकता के आधार पर किसान की भूमि प्रदूषण से फसल बर्बाद होगी।जिसकी मुआवजा तय एनटीपीसी प्रबंधन निरीक्षण कर करें। तथा कोयला ढुलाई में जुडी ट्रांसपोर्टिंग कार्य में लगी कंपनियो से प्रदूषण से मिल रही क्षति पूर्ति की राशि को एक मजबूत प्रणाली बनाकर क्रमशः रैयतों किसानो को दिया जाये समेत कई बिषयों पर निर्णय ली गयी।वही अध्यक्षता कर रहे गुरुदयाल साव ने कहा की कंपनिया लोगो के बीच आकर कई लोभ लालच देकर आपस में तोडने का काम करती है।इसलिए एक गांव पंचायत एक समिति में रहने की लोगो से अपील किया।तथा आपस में टकराव की स्थिति से बचने की अपील किया। उन्होंने भविष्य में पंचायत वाशियो के साथ कुछ भी गलत नही होगी।इसकी उन्होंने दावा किया।वही उप मुखिया लक्ष्मण साहू ने कहा की इंडस्ट्री आने से कई तरह की संघर्ष उतपन्न हुई है। इस खाई को हम सभी मिलकर पाटने की कोशिश कर सतत पंचायत में विकास का काम करने कार्य किया जायेगा बताया।वही बुद्धिजीवी भाजपा नेता प्रीतम साहू ने कहा की किसी भी समिति को चलाने के लिये संविधान की जरूरत होगी।इसके लिये नये सिरे से नियमावली बनाकर शशक्त समिति का गठन कर पंचायत को मजबूत किया जाये बताया।बैठक में निर्णय ली गयी की पंचायत स्तरीय नई समिति का गठन किया जायेगा जिसमें प्राथमिकता के आधार पर सक्रिय कार्यकर्ताओ का चयन कर मजबूत समिति का निर्माण किया जायेगा।इस मौके पर उप मुखिया लक्ष्मण साहू,राजेन्द्र साहू,विचार सिंह,अनुज सिंह,पूर्व मुखिया रेशमा प्रवीण,रामेश्वर साहू, सुभान अंसारी,युसूफ मियां, अमित गुप्ता,सुनील साव, शत्रुध्न साहू,चितरंजन साव, राजू साहू,नारायण यादव, शकुंती देवी,राधा देवी,कबूतरी देवी, मंजू देवी,बबिता देवी,नरेश गिरी , बनोद राम,प्रकाश ठाकुर, राजकुमार साहू,महावीर साहू,बबन पंडित,भोला साव,रविन्द्र कुमार साव,शंकर शाहा,बसंत कुमार साव,कंचन यादव,प्रदीप राम,समेत सैकड़ो लोग उपस्तिथ थे!

भ्रष्ट ठेकेदार एवं अधिकारियों की भेंट चढ़ने से योजनाएं हो जाती हैं विफल

विष्णुगढ़। सरकार द्वारा आमजनों के हित एवं विकास के लिए योजनायें बनती जरूर हैं, परन्तु सभी योजनाओं का ठेकेदार एवं भ्रष्ट अधिकारियों की भेंट चढ़ना आम बात हो गई है। विष्णुगढ़ प्रखंड के अखाड़ा चौक बस स्टॉप से लेकर तैलिक वैश्य धर्मशाला की दाहिनी ओर पुलिया तक नाले का काम होना था, कार्य हुआ भी परन्तु अधूरा। नतीजन अधूरे नाली निर्माण की वजह से करोंज मोड़ तैलिक वैश्य धर्मशाला की दाहिनी ओर बारिश की पानी के तेज बहाव की वजह से मिट्टी का कटाव तेजी से हुआ। जिसकी वजह से हाईवोल्टेज 11 हजार का पोल गिर कर क्षतिग्रस्त हो गया। आने वाले दिनों में दो और लोहे के पोल से गुजर रही हाईवोल्टेज 11 हजार के पोल के गिरने की आशंका है। पुराने सीमेंट की पोल से गुजरे हाईवोल्टेज की तार आस-पास की छतों से होकर गुजरी है, जिसके गिरने से जान माल की भी भारी क्षति होगी। अगर ऐसा होता है तो इन घटनाओं का जिम्मेदार कौन होगा? नाली के अधूरे कार्य की वजह से बारिश का पानी एवं नाले का पानी नए बने भवनों में घुस रहा है, जलजमाव की वजह से बीमारियों के उत्पन्न होने की संभावना भी प्रबल बनी हुई है। लाखो की लागत से बनी नाली भी अनियमितता का शिकार हो रही हैं। तयमानदंडों के अनुसार कार्य भी नही हुआ जिसका ग्रामीणों ने जमकर विरोध किया, जिसकी वजह से ठेकेदार अधूरे नाली निर्माण कार्य को छोड़कर भाग गया। नाली निर्माण कार्य में संलिप्त ठेकेदार ने अपनी ऊँची पहुँच का ग्रामीणों को धौस दिखाकर कार्य पूरा नही करने की बात भी कही। बहरहाल यह सिर्फ एक घटना नही है, अपितु हर विकास कार्य की यही कहानी है। इन सभी मामलों में सघन जांच कर उचित कार्रवाई करने की जरूरत है।

बड़कागाँव:आजसू कार्यालय में मनाई गई हूल दिवस

बड़कागांव । आजसू पार्टी प्रखंड कार्यालय में हुल दिवस मनाया गया।जिसकी अध्यक्षता प्रखंड अध्यक्ष गौतम वर्मा एवं संचालन प्रखंड सह सचिव घनश्याम कुमार ने किया।इस दौरान लोगों ने सिद्धू - कान्हो के चित्र पर फुल माला माल्यापर्ण कर श्रद्धांजलि अर्पित किया।आजसू पार्टी के केंद्रीय सदस्य घनश्याम ने कहा कि हूल क्रांति दिवस पर ब्रिटिश शासन के विरुद्ध क्रांति की मशाल उठाने वाले सिद्धू-कान्हू, चांद-भैरव, फूलो-झानों सहित हजारों जनजाति वीर-वीरांगनाओं को कोटि-कोटि नमन।देश की आजादी में सिद्धू- कान्हो की अहम भूमिका थी।केंद्रीय सचिव मुखिया अनिकेत कुमार नायक ने कहां अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ आदिवासियों के विद्रोह संघर्ष और उनके बलिदान को याद करने का विशेष दिन है।वहीं प्रखंड अध्यक्ष गौतम कुमार वर्मा ने कहा कि नायकों की शहादत हम सभी को सदैव प्रेरित करता है।करो या मरो अंग्रेजों हमारे माटी छोड़ो का नारा देते हुए अत्याचारी विदेशी दासता से मातृभूमि को मुक्त करने के लिए जन क्रांति का आगाज किया था।मौके पर केंद्रीय सदस्य संदीप कुशवाह, जिला उपाध्यक्ष उपेंद्र कुमार, युवा प्रखंड सचिव पप्पू प्रसाद,अनुसूचित जाति प्रखंड अध्यक्ष तुलेश्वर राम, किसान मोर्चा सचिव सुरेश दांगी, मुरली महतो ,शिवदयाल महतो ,दीपक कुमार ,पिंटू कुमार ,उपस्थित थे

पूर्व विधायक झारखंड के चुनाव प्रभारी सह असम सीएम से की शिष्टाचार मुलाकात

● झारखंड की जनता वर्तमान सरकार के नीतियों से है परेशान, राज्य में बनेगी भाजपा की सरकार : मनोज यादव

संवाददाता बरही

बरही। असम के मुख्यमंत्री सह झारखण्ड प्रदेश चुनाव सह प्रभारी हेमन्त बिश्व शर्मा का आगमन रांची में हुआ। श्री बिश्व शर्मा के आगमन पर भाजपा प्रदेश कार्यालय में भाजपा नेता सह पूर्व विधायक मनोज यादव ने उनसे शिष्टाचार मुलाकात की। शिष्टाचार मुलाकात के दौरान नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी भी मौजूद थे। पूर्व विधायक श्री यादव ने हेमन्त बिश्व शर्मा का स्वागत पुष्पगुच्छ देकर किया। इस दौरान पूर्व विधायक मनोज यादव ने राज्य के राजनीतिक परिदृश्य पर चर्चा किया और केंद्र में एक बार फिर मोदी सरकार बनने की बधाई दी। पूर्व विधायक ने एनडीए की जीत पर प्रधानमंत्री को बधाई दी। पूर्व विधायक ने चुनाव सह प्रभारी हेमन्त बिश्व शर्मा को आश्वस्त किया कि इस बार पूरे राज्य में यहां की जनता बदलाव के लिए सोंच रही है और राज्य में भाजपा शाषित सरकार बनाने को लेकर प्रतिबद्ध है। श्री यादव ने कहा कि पिछले लगभग 10 साल में मोदी सरकार देश सेवा में लगी है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश में सर्वांगीण विकास का मार्ग प्रशस्त हुआ है, देश का सम्मान और ताकत बढ़ा है। आम व्यक्ति के जीवन में शासकीय योजनाओं के माध्यम से कैसे परिवर्तन किया जा सकता है, इसे मोदी ने कर दिखाया है। 140 करोड़ भारतवासियों की सुख, शांति और समृद्धि के लिए साधनारत प्रधानमंत्री का यह कार्यकाल निःसंदेह आत्मनिर्भर भारत-विकसित भारत की संकल्पना को साकार करते हुए भारत को विश्व में महाशक्ति के रूप में स्थापित करने वाला सिद्ध होगा। इसकी जानकारी पूर्व विधायक के पीए भूपेंद्र यादव ने दी।

झारखंड प्रदेश विद्यालयः रसोईया संयोजिका अध्यक्ष संघ की बैठक, एकजुटता का आहवान

सरकार से नाराज रसोईया संयोजिका संघ उचित मांगो पर अड़े, सरकार शोषण करना बंद करे, मांगों पर दें ध्यान

संवाददाता बरही

बरही। झारखंड प्रदेश विद्यालय रसोईया संयोजिका अध्यक्ष संघ बरही इकाई की बैठक बरही प्रखंड परिसर में हुई। जिसकी अध्यक्षता रसोइया संयोजिका संघ के प्रखंड अध्यक्ष पूनम राणा व संचालन किरण देवी ने की। बैठक में बड़ी संख्या में रसोईया और संयोजिका की भागीदारी हुई। इस अवसर पर रसोइया संयोजिका संघ के जिलाध्यक्ष महेंद्र राम पासवान, चौपारण प्रखंड अध्यक्ष रेखा देवी शामिल हुई। वहीं विद्यालय रसोईया संयोजिका का सहयोग करने के लिए राजद बरही प्रभारी पूनम यादव भी उपस्थित हुई। रसोईया संयोजिका का स्थायीकरण, 10 माह के स्थान पर 12 माह का कार्य, न्यूनतम मानदेह 6000 हजार रुपए सुनिश्चित करने मुख्य मांग को रखा। वहीं बैठक को संबोधित करते हुए बरही प्रखंड अध्यक्ष पूनम राणा ने कहा कि प्रखंड के सभी स्कूलों द्वारा रसोईया को परेशान किया जा रहा है। आधार कार्ड के आधार बना कर 60 साल के रसोइया को हटाया जा रहा है,जो कतई उचित नहीं है। वहीं प्रखंड सचिव रेखा देवी ने कहा कि आधार कार्ड में उम्र की त्रुटि को सही मान कर विद्यालय शिक्षको द्वारा रसोईया संयोजिका को परेशान किया जा रहा है। चौपारण प्रखंड अध्यक्ष रेखा देवी ने कहा कि सरकार हमसभी के साथ वादा खिलाफी करवाई की है। वहीं जिलाध्यक्ष महेंद्र राम पासवान ने कहा कि सरकार 60 साल के बहाना बनाकर रसोइया संयोजिका को हटाया जा रहा है,जो किसी भी दृष्टि से उचित नहीं है, क्योंकि 20साल से कार्यरत रसोईया को कुछ भी लाभ नहीं मिला है। यदि उसके स्थान पर बहू या बेटी को रख लेती तो उचित होता। वहीं उन्होंने कहा कि 2011 में विद्यालय प्रबंधन समिति की चुनाव में विद्यालय अध्यक्ष और सयोजिका रखा गया, जिसके बाद 2016 में शिक्षा सचिव के द्वारा हटाकर फिर पुनः वापस लिया गया परंतु विभाग के द्वारा इसे अनुपालन नहीं किया जा रहा है, इसका संघ घोर विरोध करती है।रसोईया संयोजिका ने एक स्वर में बोली कि हमारे साथ सरकार आंख मचौली का खेल कर रही है, यदि सरकार हमारी मांगों को समय रहते पूरा नहीं करती है तो आने वाला चुनाव में रघुवर सरकार की तरह भुगतना पड़ेगा। वहीं बरही विधानसभा के राजनीतिक दल के नेताओं से आग्रह किया कि हमारी मांग को उचित न्याय दिलाने में मदद करें। मौके पर जिलाध्यक्ष महेंद्र राम पासवान, चौपारण अध्यक्ष रेखा देवी, प्रखंड अध्यक्ष पूनम राणा,सचिव किरण देवी, देवंती देवी, राजकुमारी देवी,डॉ कृष्ण मोहन यादव,दिनेश साव,रेखा देवी, हजमा खातून,रिंकी देवी, ललिता देवी अन्य रसोइया संयोजिका उपस्थित थीं।

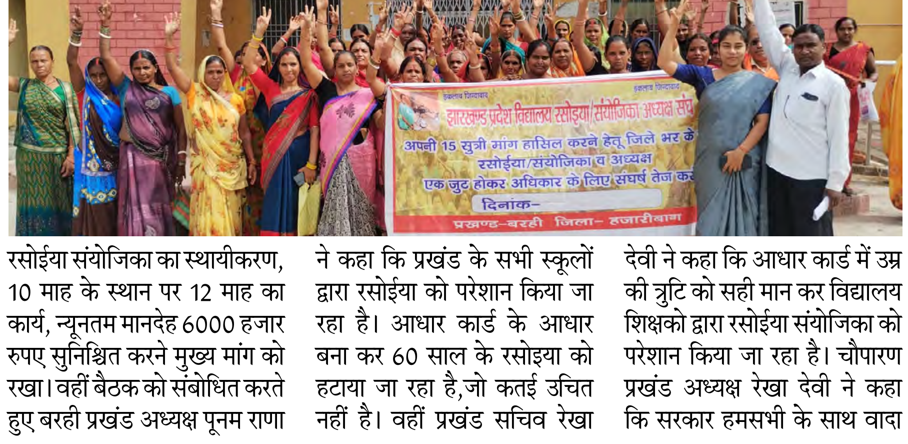

न्यूज़ अपडेट

स्थानीय युवकों ने दिखाई मानवता बचाई चार की जान

बोकारो । बीते दिन दामोदर नदी में पानी का बहाव तेज हो गया था ,भीषण गर्मी में लोग नहाने के लिए नदी गए हुए थे ,इस क्रम में चार नाबिलिक युवकों ने दामोदर नदी के तेज बहाव के बीच में नहाने चले गए लेकिन पानी का बहाव तेज होने के कारण चारो युवक नदी में डूबने लगे जिसमे से दो ने तो खुद को संभालकर कर किसी तरह नदी के किनारे पहुंच गए लेकिन दो नदी में डूबने लगे यह देख स्थानीय लोगो ने जान जोखिम में डालकर किसी तरह नदी में कूद कर उक्त दोनों युवकों को नदी किनारे लाने में सफल रहे फिर स्थानीय लोगो के द्वारा 108 में फोन कर एंबुलेंस मंगवाया जिसे दिनो युवकों को सदर अस्पताल पहुंचाया गया ,खबर लिखे जाने तक दोनो युवकों की स्थिति सामान्य बताई गई है ,आखिरकार बचाने वाले लोगो ने मानवता का परिचय दिया ।

35 यूनिट रक्त संग्रह हुआ बरनवाल युवा मंच के 10 वां रक्तदान शिविर में

श्रमबिंदु /धनबाद । रविवार को बरनवाल युवा मंच के द्वारा अध्यक्ष मनोज कुमार बरनवाल के वैवाहिक वर्षगाठ के उपलक्षय पर बिग बाजार के समीप, सावित्री सर्जीकेयर मेटरनिटी सेंटर एंड हॉस्पिटल में रक्तदान शिविर का सफल आयोजन किया गया।इस उपलक्षय पर सर्वप्रथम उपस्थित अतिथियों को बुके देकर सम्मानित किया गया तत्पश्चात महाराजा अहिबरन जी का माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित नीतीश गुप्ता डी एम ओ पाकुर, अरूण बरनवाल ब्यूरो चीफ, डॉ.बीरेंद्र कुमार बरनवाल, दिलीप सुबुखी, मनोज कुमार बरनवाल अध्यक्ष बरनवाल युवा मंच धनबाद के द्वारा दीप प्रज्वलित करके इस कार्यक्रम की शुरुआत किया गया। अध्यक्ष मनोज बरनवाल ने बताया की ये रक्तदान शिविर संस्था का 10 वां शिविर है,आज के इस रक्तदान शिविर में 35 यूनिट रक्त संग्रह किया गया,जो एसएसएनएम ब्लड बैंक को दिया गया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में युवा मंच के सचिव सुनील बरनवाल,राजेश बरनवाल,समरेंद्र प्रसाद,सुभाष बरनवाल,पवन बरनवाल,दिलीप बरनवाल,रंजीत बरनवाल, डॉ.बीरेंद्र बरनवाल, डॉ.रीना बरनवाल,शशिभूषण बरनवाल,सुमित बरनवाल,प्रशांत बरनवाल,अजीत बरनवाल, एवं मनोज कुमार बरनवाल अध्यक्ष युवा मंच के अलाव पूरे सावित्री सेर्जिकेयर मेटरनिटी सेंटर एंड हॉस्पिटल के सभी स्टाफ,समस्त बरनवाल महिला मंच सदस्यों का सराहनीय योगदान रहा।

मनोज कुमार बरनवाल अध्यक्ष बरनवाल युवा मंच धनबाद का सक्रिय योगदान था।

हूल दिवस पर आप ने की बैठक

श्रमबिंदु /धनबाद । हूल दिवस का कार्यक्रम धनबाद स्थित आम आदमी पार्टी जिला उपाध्यक्ष राजेश कुमार की आवासीय कार्यालय में मनाया गया , आए हुए अतिथियों ने सिद्धू कानूहू के तस्वीर पर माला चढ़ाया तथा पुष्प अर्पित किया गया, तत्पश्चात संगठन पर चर्चा किया गया जिसमें मुख्य रूप से उपस्थित रहे जिला संयोजक अशोक महतो जिला महासचिव मदन राम जिला संरक्षक सुरेंद्र सिंह जिला उपाध्यक्ष राजेश कुमार जिला उपाध्यक्ष जितेंद्र सिंह सदरे आलम डब्लू अंसारी रॉकी मंडल अरशद राजा जावेद अख्तर नीतिश गुप्ता नीतिश गुप्ता अशोक दास संजय सिंह शाहजहां खान सरफराज अहमद आदि मौजूद थे ।

दहीबाड़ी : वरीय ओवरमैन को दी गई विदाई

श्रमबिंदु/निरसा। बीसीसीएल सीवी एरिया बारह के बसंतीमाता-दहीबाड़ी कोलियरी से सेवानिवृत्त वरीय ओवरमैन मोहन प्रसाद को ब्लास्टिंग कार्यालय के समीप रविवार को एक समारोह आयोजित कर उन्हें विदाई दी गई। उपहार आदि देकर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की गई। वक्ताओं ने कहा कि श्री प्रसाद ने सीवी एरिया में 39 वर्षों के सेवा काल में एक साधारण मजदूर से लेकर वरीय ओभरमैन पद तक का सफर तय किया। सहायक प्रबंधक के परीक्षा में भी पास हुए लेकिन उक्त पद को उन्होंने स्वीकार नहीं किया। कहा कि वे एक अनुभवी ओभरमैन हैं। वे अपने कार्यकाल में काफी ईमानदारी, लगन व खान सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए अपनी सेवा का निर्वाह कि-ए। बेदाग रहें। हम सभी उनके अच्छे स्वास्थ्य व खुशहाल जीवन की कामना करते हैं। संचालन वरीय ओवरमैन एल एन दास ने किया। मौके पर प्रबंधक एस के मंडल, एसीम इंचार्ज एस मुखर्जी, एल एन दास, ब्लास्टिंग अफसर डी दत्त, एस बनर्जी, इंचार्ज सुकोल सोरेन, बागेश्वर बायेन, देवदास बाउरी, सुदीप्त मुखोपाध्याय, सतीश कुमार, श्याम सुंदर सिंह, उमेश प्रसाद हरिजन, लालू कोड़ा, गौतम पाल, ज्ञान बाउरी, भुनेश्वर तुरी, सुकुमार कोड़ा, दीपक महतो, सावित्री देवी, शशि नायक, नूनबतिया देवी, सारथी मेझाईन आदि थे।

धनबाद में झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी युवा मंच का मंडल 4 की सभा सह कार्यशाला संपन्न

- **शंखनाद, जोश नए युवाओं का**

श्रमबिंदु /धनबाद । रविवार को वैलेंटिनो ग्रीन होटल, मटकुरिया, धनबाद में धनबाद कोयलांचल शाखा, धनबाद के आतिथ्य में अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच, झारखण्ड प्रान्त की मंडल 4 की शंखनाद मण्डलीय सभा मंडल 4 के प्रांतीय उपाध्यक्ष अजय तायल की अध्यक्षता में संपादित की गयी।इस सभा में मंडल 4 की सभी शाखाओं के बीच आगामी कार्यक्रमों को रखा गया। संगठन पर चर्चाएँ हुई। मण्डलीय कार्यशालाएं पर चर्चाएँ हुई।सभी सदस्यों के मध्य खुला सत्र के माध्यम से सभी के विचारों ०सुझावों को प्रांतीय पदाधिकारियों द्वारा सुना गया। इसके पश्चात आतिथ्य शाखा के उपाध्यक्ष शिव शंकर चौधरी, अधिवक्ता द्वारा धन्यवाद ज्ञापन कर सभा को विराम दिया गया।

जिसमे झारखण्ड प्रांतीय अध्यक्ष अरुण गुप्ता, प्रांतीय महामंत्री सार्थक अग्रवाल, प्रांतीय सहायक मंत्री विकाश पटवारी,ललित अग्रवाल, पंकज भुवानिया, विवेक लिल्हा, धनबाद कोयलांचल शाखा अध्यक्ष नीरज अग्रवाल, उपाध्यक्ष शिव शंकर चौधरी, उपाध्यक्ष संजय अग्रवाल, सचिव सुनीता अग्रवाल एवं आतिथ्य शाखा सह मंडल 4 के सभी 12 शाखा के अध्यक्ष, सचिव एवं सभी सदस्य उपस्थित थे ।

स्वास्थ्य एवं पर्यावरण संरक्षण संस्थान' की बैठक संपन्न

मानसून से पहले ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाना का लिया गया निर्णय

बोकारो ।

बोकारो स्थित 'पर्यावरण-मित्र आश्रम' में 'स्वास्थ्य एवं पर्यावरण संरक्षण संस्थान' की ओर से आयोजित आवश्यक बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि इस वर्ष मानसून में संस्थान के सदस्यों द्वारा ज्यादा से ज्यादा वृक्षारोपण एवं आमजन को पौधों का वितरण कर उन्हें वृक्षारोपण करने हेतु प्रोत्साहित किया जाएगा । संस्थान द्वारा 'माता शिलवंती स्मृति वाटिका' का निर्माण किया जाएगा जिसमें संस्थान के सभी सदस्यों सहित आमजन को भी अपनी मां की स्मृति में एक एक पौधा लगाने हेतु आग्रह किया जाएगा । मां की याद में पौधा रोपण करने वालों को संस्थान द्वारा पौधा प्रदान करने का निर्णय लिया गया । इस अवसर पर संस्थान के महासचिव शशि भूषण ओझा 'मुकुल' ने कहा कि वृक्षारोपण के प्रति आमजन में जागृति पैदा करने हेतु पर्यावरण-मित्र रथ द्वारा प्रचार-प्रसार किया जाएगा तथा जगह जगह छोटी छोटी सभाओं के माध्यम से सबोंको यह समझाया जाएगा कि वृक्षों के बगैर हमारा अस्तित्व ही मिट जाएगा क्योंकि ऑक्सीजन इन्हीं से मिलता है और बिना ऑक्सीजन हम पल दो पल भी जिंदा नहीं रह सकते हैं साथही पेड़ ही वर्षा के भी कारक हैं । प्रदूषण, ताप और जहरीली गैसों से हमारी रक्षा तो करते ही हैं साथही फल, फूल और अनेकों औषधियां भी इनसे प्राप्त होती हैं । वृक्ष लगाना और उन्हें बचाना सबों का दायित्व है ।

बैठक में संस्थान के महासचिव शशि भूषण ओझा 'मुकुल', सचिव अधिवक्ता रमण कुमार ठाकुर, सहसचिव अभय कुमार गोलू, सहसचिव विजय त्रिपाठी, दिनेश सिंह, शंकर यादव, सरोज तिवारी, रवींद्र राय, शत्रुघ्न सिंह, जितेंद्र कुमार, तपन पाढ्या, अनिल कुमार, अरुण उपाध्याय सहित कई पर्यावरण प्रेमी उपस्थित रहे ।

गोमिया में हूल दिवस कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि पूर्व विधायक योगेंद्र महतो शिरकत किए

लाखो की संख्या में लोग मौजूद थे

गोमिया।

झारखंड राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष सह गोमिया के पूर्व विधायक योगेंद्र प्रसाद महतो ने गोमिया प्रखंड अंतर्गत टीकाहारा पंचायत के कसियाडीह पहुंचे। आयोजित हूल दिवस कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। उन्होंने ढोल नगाड़ों के बीच हूल क्रांति के नायक वीर शहीद सिदो-कान्हू स्मारक स्थल और तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर नमन किया। उन्होंने चांद भैरव और फूलो झानो को भी याद किया। अध्यक्ष सह पूर्व विधायक ने कहा कि हूल क्रांति के जरिए तत्कालीन अंग्रेजों की सत्ता की नींव हिला देने वाले वीर शहीद महानायकों को नमन करता हूं। अंग्रेजों की दमनकारी नीतियों और महाजनों के खिलाफ हुए संथाल विद्रोह को हमेशा गर्व से याद किया जाता रहेगा। अंग्रेजों के खिलाफ हुए इस हूल क्रांति को भारत के स्वतंत्रता आंदोलन की प्रथम क्रांति भी मानी जाती है. हूल क्रांति के महानायक वीर शहीद सिदो-कान्हू, चांद-भैरव एवं फूलो-झानो अदम्य साहस के प्रतिमूर्ति थे। इन्होंने अंग्रेजों और आदिवासियों पर महाजनों के शोषण के खिलाफ महाजनी प्रथा के खिलाफ 50 हजार से अधिक संथाली आदिवासियों को एकजुट कर विद्रोह किया। इनके जज्बे को आज सलाम करने, प्रेरणा लेने एवं दमनकारी नीतियों, शोषण के खिलाफ एकजुट होकर संकल्प लेने का महान दिवस है। इस दौरान आयोजक समितियों ने मुख्य अतिथि श्री महतो का जोरदार स्वागत एवं अभिनंदन किया।

हूल दिवस पर याद किए गए वीर शहीद सिदो-कान्हू

बोकारो।

रविवार को आदिवासी - मूलवासी समाज सतनपुर द्वारा सराय बुरु (पहाड़ी) और पोंड टुंगरी बांधगोड़ा दोनों पहाड़ों के बीच सिदो-कान्हू चौक में हूल दिवस मनाया गया। कार्यक्रम सीके मुर्मू के अगुवाई में किया गया। संचालन रामकुमार मांझी ने किया। कार्यक्रम की शुरुआत नायेके जगदीश मांझी द्वारा पूजा अर्चना कर हुई। इस दौरान उपस्थित लोगों ने सिदो-कान्हू के तस्वीर पर श्रद्धांजलि अर्पित कर संकल्प लिया। संबोधित करते हुए समाजसेवी योगो पूर्ति ने कहा सिदो-कान्हू के योगदान को हम कभी भुला नहीं सकते हैं। उनके संघर्ष की गाथा को जिस दिन हम भुला देंगे, झारखंड का विकास नहीं हो पाएगा। सातनपुर मुखिया कालीपद सिंह ने कहा अपनी जमीन, संस्कृति और देश को अंग्रेजी हुकूमत के अत्याचार से बचाने के लिए संथाल के महानायक सिदो-कान्हू के नेतृत्व में विद्रोह का आगाज हुआ था। रामदयाल सिंह ने कहा झारखंड में 30 जून का खास महत्व है। इसी दिन संताल धनुर्धारियों ने अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ पहले जंग का आगाज किया था। जिसे संताल विद्रोह या संताल हूल के नाम से याद किया जाता है। इतिहास के पन्नों में ऐसे सिपाही विद्रोह को आजादी की पहली लड़ाई माना जाता है। सातनपुर पंसास वासुदेव माझी, संतोष बाउरी ने भी संबोधित किया। इस दौरान चंद्रकांत पूर्ति, रामनाथ हेंब्रम, आकाश समद, पंकज माझी, मंजूबाला सोरेन, मंजू कुमारी सोरेन, दशमी देवी, सोनिया देवी, शकुंतला कुमारी, निशा कुमारी सहित अन्य शामिल थे।

रोटरी क्लब चास के बिनोद चोपड़ा, अध्यक्ष मुकेश अग्रवाल,सचिव एवं धनेश बंका को कोषाध्यक्ष मनोनित

1 जुलाई यानी आज सभी पदभार ग्रहण करेंगे

चास।

रोटरी सत्र 24-25 के लिए रोटरी क्लब चास की नई टीम 1 जुलाई से पदभार ग्रहण कर लेगी। रोटरी क्लब चास के सत्र 24-25 के लिए बिनोद चोपड़ा, अध्यक्ष मुक-श अग्रवाल,सचिव एवं धनेश बंका को कोषाध्यक्ष के रूप में सर्वसम्मति से चुना गया है।

नव निर्वाचित अध्यक्ष बिनोद चोपड़ा एवं सचिव मुकेश अग्रवाल ने संयुक्त रूप से कहा कि रोटरी क्लब चास, समाज में अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्तियों तक अपने सेवा कार्यों से पहुंच बनाएगी।

बिनोद चोपड़ा ने कहा कि रोटरी क्लब चास बोकारो की अग्रणी सामाजिक संस्था है,इसके स्वरूप को और व्यापक किया जाएगा।

रोटरी क्लब चास की नई टीम में संजय बैद, विनय सिंह, कमल तनेजा, मनोज चौधरी, डॉ परिंदा सिंह, पूजा बैद,डिंपल कौर, मंजीत सिंह, चनप्रीत सिंह, विपिन अग्रवाल, कुमार अमरदीप, नरेंद्र सिंह, डॉ सुमन कुमार निदेशक के रूप में कार्य करेंगे।

निवर्तमान अध्यक्ष पूजा बैद एवं सचिव डिंपल कौर ने नई टीम को अपनी शुभकामनाएं प्रेषित की।

बोकारो जिला खो-खो संघ का संरक्षक बने कुमार अमरदीप

बोकारो ।

रविवार को चास प्रखंड के तेलीडीह रोड स्थित बहादुरपुर सामुदायिक भवन में बोकारो जिला खो- खो संघ का वार्षिक आमसभा की बैठक के दौरान वर्ष 2024 से 2028 तक के लिए नए कार्यकारिणी समिति का गठन व चुनाव सर्वसम्मति से संपन्न हुआ। इसमें संरक्षक कुमार अमरदीप, अध्यक्ष पवन कुमार सिंह, कार्यकारी अध्यक्ष शिवदयाल चौधरी, वरीय उपाध्यक्ष अनिल प्रसाद, वरीय उपाध्यक्ष योगो पूर्ति, उपाध्यक्ष आलोक कुमार पांडे, महासचिव सुमित कुमार मलिक, कोषाध्यक्ष संजय कुमार रजक, रेफरी बोर्ड के अध्यक्ष अमित कुमार पांडे चुने गए। झारखंड राज्य खो-खो संघ के महासचिव द्वारा नियुक्त चुनाव पर्यवेक्षक धनबाद खोखो संघ के महासचिव शंभू महतो व बोकारो जिला ओलंपिक संघ के संजीव कुमार सिंह तथा चुनाव अधिकारी अधिवक्ता प्रमोद कुमार पांडे की देखरेख में चुनाव संपन्न हुए। कार्यकारिणी सदस्य में अनंत कुमार, वरुण कुमार, सरिता कुमारी, सोनी कुमारी, प्रवीण कुमार, चंद्रकांत कुमार, मंसू महतो, अखिलेश कुमार चुने गए। इस मौके पर चुनाव पर्यवेक्षक धनबाद खोखो संघ के महासचिव शंभू महतो व बोकारो जिला ओलंपिक संघ के संजीव कुमार सिंह ने बोक-ारो में खो-खो के बढ़ते कदम और लोकप्रियता पर प्रशंसा जताई। वहीं न नियुक्त संरक्षक कुमार अमरदीप ने जिला में खो-खो के विकास के लिए हरसंभव सहायता देने का विश्वास दिलाया। बैठक में जिला भर के अनेक प्रखंडों क्लबो से खो-खो संघ के पदाधिकारी एवं खेल प्रेमी उपस्थित थे।

कार्मेल स्कूल में उत्कृष्ट पुरस्कार वितरण सम्मान समारोह का आयोजन

बोकारो थर्मल ।

बोकारो थर्मल स्थित कार्मेल स्कूल अंग्रेजी माध्यम में शनिवार संध्या को उत्कृष्ट सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि फादर विक्टर जोसेफ ,एस ०जे ० प्रचार्या डिनोबली स्कूल भूली, विशिष्ट अतिथि लायंस क्लब अध्यक्ष लायन्स सुशील कुमार सिंह, एस बी आईं शाखा प्रबंधक, सुभाष प्रसाद ने संयुक्त रूप से द्वीप प्रवज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। स्कूल प्रचार्या सिस्टर एम मल्लर ए सी ने सभी अतिथियों व व अभिभावकों का स्वागत अभिनंदन किया।विद्यालय के दसवी क्लास के टॉपर को नकद राशि दे कर स्कूल प्रचार्या ने सम्मानित किया गया साथ ही छात्रों को उत्कृष्ट शैक्षणिक प्रदर्शन , सर्वोत्तम प्रयास,शत प्रतिशत उपस्थित एवं मिलनसार के लिए पु-रस्कार एवं प्रमाण पत्रों से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में कई रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किये गए जिससे अभिभावक मनमोहक हुए। ततपश्चात मुख्य अतिथि एव विशिष्ट अतिथियों ने छात्रों के लिए प्रेरणा दायक आशिसवचन दिये। समारोह लो सफल बनाने के लिए स्कूल की सभी सिस्टर , शिक्षक एवं छात्रों का अहम भूमिका रही। मंच का संचालन ऋषु राज विद्यार्थी, सौम्या वनखेड़े ,श्रीमन स्वरूप एछ प्रदर्षनी ने किया। धन्यवाद ज्ञापन विद्यालय प्रबंधिका सिस्टर एम एनेट ए सी ने किया।

जेंडर आधारित क्विज प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

कसमार।

जेंडर आधारित क्विज प्रतियोगिता का आयोजन का कसमार प्र-खंड की किशोरियों के बीच सहयोगिनी संस्था द्वारा आयोजित की गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सहयोगिनी की सचिव कल्याणी सागर ने कहा कि किशोरी तथा लड़कियों के बीच जेंडर को लेकर जागरूकता पैदा करने के लिए किशोरी क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। इस दौरान कसमार प्रखंड की सोनपुरा, पोंडा तथा गरी पंचायत की किशोरियों के बीच जेंडर, महिला हिंसा, महिला सशक्तिकरण, किशोरी नेतृत्व , शिक्षा तथा सरकार की योजनाओं से संबंधित प्रश्नों पर आधारित क्विज प्रतियोगिता किया गया। यह प्रतियोगिता तीन चरणों में आयोजित की गई। उन्होंने बताया कि लड़कियों का कैरियर तथा भविष्य को संवारने तथा लीडरशिप डेवलपमेंट करने के लिए इस प्रकार के कार्यक्रम संस्था द्वारा लगातार आयोजित की जाती है। इस दौरान कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कुमारी किरण ने कहा कि सहयोगिनी द्वारा बोकारो जिले के कसमार में विगत 5 वर्षों से किशोरी नेतृत्व चमचा विकास तथा बाल विवाह के खिलाफ कार्यक्रम चलाया जा रहा है। जिसमें 11 गांव की किशोरियों का नेतृत्व क्षमता का विकास के साथ-साथ विभिन्न सरकारी योजनाओं से उन्हें जोड़ने का कार्य किया जा रहा है। क्विज प्रतियोगिता में प्रथम स्थान सोनपुरा पंचायत द्वितीय स्थान गरी पंचायत तथा तृतीय स्थान पोंडा पंचायत की किशोरियों ने प्राप्त की, जिन्हें संस्था द्वारा पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान सहयोगिनी सूरजमानी देवी प्रतिमा सिंह , रवि कुमार राय, प्रकाश कुमार, मंजू देवी, विनीता देवी, मीनटी कुमारी सिंह, गौतम सागर, रानी कुमारी, गौरी कुमारी, खुशी कुमारी, अंजली कुमारी, पूनम कुमारी, प्रीति कुमारी, पायल कुमारी, सुजाता कुमारी, उमा कुमारी, प्रिया कुमारी ,नीतू कुमारी , रेखा देवी आदि उपस्थित थी।

सहायक अध्यापकों ने वेतनमान की मांग को लेकर निकाला मसाल जुलूस

श्रमबिंदु / धनबाद ।

टुंडी, राज्य व्यापी आंदोलन के क्रम मे आज 30 जुन हुल दिवस पर राज्य के सभी प्रखंड मुख्यालयों में झारखण्ड सहायक अध्यापक संघर्ष मोर्चा के बैनर तले मशाल जुलूस निकाला जा रहा है । इस निमित 30 जुन रविवार को हुल दिवस के अवसर पर टुंडी प्रखंड के सहायक अध्यापको ने प्रखंड मुख्यालय से बाजार तक मशाल जुलूस कुलदीप पांडेय अनिल राजवंशी के नेतृत्व मे निकाला गया। मशाल जुलूस में मुख्य रूप से राज्य सदस्य निरंजन दे व सुशील पांडेय उपस्थित हुए। दोनों राज्य सदस्यों ने संयुक्त बयान जारी कर राज्य सरकार को चेताया ओर कहा कि अविलंब वर्तमान सरकार अपने तीन माह मे वेतनमान देने की वादा को पूरा करे अन्यथा इससे भी ज्यादा उग्र आंदोलन की रूप रेखा तैयार की जायेगी।

मशाल जुलूस में राज्य सदस्य सुशील कुमार पांडे, राज्य सदस्य निरंजन दे समेत सैकड़ों सहायक अध्यापकों ने भाग लिया ओर कहा कि टुंडी दिशोम गुरू शिबु सोरेन का आंदोलन की धरती रही है,ओर राज्य के सहायक अध्यापक अब उन्ही के राह मे चलने को वीवश है,झारखंड सरकार बिहार के तर्ज पर वेतनमान जल्द लागू करे,अन्यथा जोरदार आंदोलन होगा। जुलुस में मुख्य रूप से राजीव सिंह, गिरीश साव,पंकज विश्वकर्मा,सतार अंसारी,अब्दुल रसीद, गाजों सिंह,अशोक महरा,लीलनाथ मंडल,पवन मंडल,मलयाशीस बनर्जी,कोमेश हंसदा,शुशील कुमार,अनोज शर्मा, भागीरथ सिंह,ईश्वर मुर्मु,नंदलाल महतो, सुरेन किस्कू,भानु प्रसाद,अब्दुल सतार,लक्ष्मण प्रसाद, रामचंद्र तिवारी,सुनील मुर्मु,नकुल रविदास,अख्तर अंसारी, एमडी सिराज,शुशील मुर्मु नीलांबर रजवार(दिनेश कुमार महतो(पूर्वी टुंडी प्रखंड अध्यक्ष) लखन राय,इंद्रदेव राय,सुभाष महतो,मनोज ,कृष्ण,सत्रुधन कुमार,सत्येंद्र चौधरी,परितोष,महतो, रामू ओझा ,सुभाष रजवार, अनेकों पारा शिक्षक शामिल थे।

न्यूज़ अपडेट

समाहरणालय किशनगंज सूचना एवं जनसंपर्क कार्यालय, किशनगंज का जारी प्रेस विज्ञप्ति:-296 मे

- कहा गया है कि 17 कर्मचारियों का हस्तानान्तरण किया गया है।
- कुल 42 कार्यपालक सहायक, कुल 8 आपूर्ति कार्यालयों में नियोजित कार्यपालक सहायकों को भी ज़िला एवं प्रखंड में स्थानांतरित किया गया।

किशनगंज। जिलाधिकारी किशनगंज तुषार सिंगला ने समाहरणालय अंतर्गत कार्यरत कुल 17 कर्मियों जिसमें सहायक प्रशासी पदाधिकारी, प्रधान लिपिक, उच्च वर्गीय लिपिक को कार्यहित एवं प्रशासनिक दृष्टिकोण से स्थानांतरित किया । इन कर्मियों को 3 जुलाई 2024 तक स्थानांतरित कार्यालय में योगदान करने का निदेश दिया गया । इसी क्रम में कुल 42 कार्यपालक सहायक, कुल 8 आपूर्ति कार्यालयों में नियोजित कार्यपालक सहायकों को भी ज़िला एवं प्रखंड में स्थानांतरित किया गया । इन्हें हर हाल में 3 जुलाई तक नए कार्यालय में योगदान करने का निदेश है अन्यथा 4 जुलाई 2024 से स्वतः विरमित समझे जाएंगे स्थानांतरित कर्मियों को माह जुलाई के वेतनादि का भुगतान नव पदस्थापना से देय होगा ।

कुमारधुबी में बीस हजार नगदी सहित चार मोबाइल चोरी

श्रमबिंदु/निरसा। शिवलीबाड़ी पूर्वी पंचायत क्षेत्र के अंसार मोहल्ला में रविवार की रात को बीस हजार नगदी सहित मोबाइल चोरी हो गई। भुक्तभोगी मो असलम अंसारी ने कुमारधुबी ओपी में शिकायत दर्ज कराई है। बताया कि रात करीब साढ़े 11 बजे बिजली चली गई। हमलोग घर के छत पर सोने चले गए। जबकि घर के कुछ नीचे के कमरे में ही सो रहे थे। इस बीच चोरों ने घर में घुसकर पर्स, बीस हजार नगदी सहित चार एंड्रॉयड मोबाइल चोरी कर ली। जमीन संबंधी कागजात भी चोर ले भागे। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

तीन दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन आईआईटी आईएसएम में संपन्न

- गणित और कंप्यूटिंग विभाग का मॉडलिंग, विश्लेषण एवं सिमुलेशन पर विशेषज्ञों ने प्रतिभागियों को दिया सेल्फ कॉन्फिडेंस

श्रमबिंदु /धनबाद । गणित और कंप्यूटिंग विभाग द्वारा आईआईटी (आईएसएम) धनबाद में मॉडलिंग, विश्लेषण और सिमुलेशन पर आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन आज विशेषज्ञों द्वारा प्रतिभागियों को झिझक छोड़ने एवं स्वयं पर लगाए गए अवरोधों से बाहर आनेऔर ज्ञान प्राप्त करने के लिए विशेषज्ञों से बातचीत करने और के उपदेश के साथ संपन्न हुआ।

यह अवसर आज शाम संस्थान के गोल्डन जुबली लेक्चर थियेटर में आयोजित तीन दिवसीय कार्यक्रम के समापन समारोह का था, जिसमें आईआईटी खड़गपुर के प्रख्यात गणितज्ञ प्रोफेसर ईजीपी राजशेखर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे, जबकि प्रोफेसर एमके सिंह, डीन (अकादमिक) ने समारोह की अध्यक्षता की।

प्रतिभागियों की सभा को संबोधित करते हुए, प्रोफेसर राजशेखर ने कहा, "विज्ञान में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए सबसे पहला और सबसे महत्वपूर्ण मानदंड प्रश्न पूछने के डर और विशेषज्ञों से बात करने की झिझक आदि को दूर करना है" और कहा कि सभी समान हैं इसलिए ज्ञान प्राप्त करने की प्रक्रिया.में किसी को भी किसी से डरने की जरूरत नहीं है।

उन्होंने आगे राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) की आवश्यकताओं के अनुसार शिक्षा की अंतःविषय प्रकृति के महत्व पर प्रकाश डाला और कहा, ''वे दिन गए जब केवल कोर बीजगणित में रहने वाले लोग ही बीजगणितीय अभ्यास करने के लिए लगे हुए थे, लेकिन अब अधिकांश कॉम्बिनेटरिक्स हैं जो बीजगणितीय असाइनमेंट और इसके विपरीत के लिए लगे हुए हैं और कहा कि ऐसा इसलिए हो रहा है क्योंकि विभाग अन्य प्रासंगिक डोमेन के विशेषज्ञों के लिए खुल रहे हैं।

राजशेखर ने आगे कहा, "इस प्रकार चीजें बदल रही हैं और गणितज्ञ की भूमिका सीमित नहीं है, जबकि यह दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है" और कहा कि नेशनल मिशन फॉर इंटरडिसिप्लिनरी साइबर फिजिकल सिस्टम (लगभग 4000 करोड़ रुपये) और नेशनल क्वांटम मिशन (लगभग 6000 रुपये) में गणितज्ञों के लिए बहुत बड़ा अवसर होगा और यह गणित के एक क्षेत्र तक सीमित नहीं है बल्कि विभिन्न क्षेत्रों के गणितज्ञों की आवश्यकता है''

प्रोफेसर एमके सिंह, डीन (अकादमिक) ने अपने अध्यक्षीय भाषण के दौरान कहा, "इस तरह के आयोजन किसी संस्थान के लिए आउटरीच गतिविधि के उद्देश्य को पूरा करते हैं क्योंकि शिक्षण, अनुसंधान, आउटरीच और सहकर्मी धारणाएं किसी भी संस्थान के पाठ्यक्रम के बहुत महत्वपूर्ण तत्व हैं"

उन्होंने आगे कहा कि इस प्रकार की गतिविधियां समय की आवश्यकता हैं और आजकल सभी विभागों को बहुत सारी सार्थक गतिविधियां करने के निर्देश दिए गए हैं, उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए सुधार और परिवर्तन बुनियादी आवश्यकता है।

प्रोफेसर आरके उपाध्याय, विभागाध्यक्ष, गणित एवं कंप्यूटिंग, जो सम्मेलन के अध्यक्ष भी हैं, ने अपने विभाग के गौरवशाली इतिहास और सम्मेलन की पृष्ठभूमि के बारे में भी प्रकाश डाला।

सम्मेलन के संयोजक प्रोफेसर संजीव आनंद साहू ने सम्मेलन की रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए कहा कि ''तीन दिवसीय सम्मेलन में अनुसंधान विद्वानों और संकाय सदस्यों सहित प्रतिभागियों द्वारा कुल 81 शोध पत्र प्रस्तुत किए गए, जिनमें एनआईटी रायपुर, एनआईटी आंध्र प्रदेश, आईआईटी गुवाहाटी के प्रतिभागी शामिल थे।, आईआईटी दिल्ली'' और 16 प्रतिष्ठित विशेषज्ञों ने भी सम्मेलन में भाग लिया।

धनबाद में ट्रक ने ट्रैक्टर चालक को रौंदा, चार घंटे सड़क जाम

श्रमबिंदु /धनबाद ।

धनबाद-बोकारो फोरलेन सड़क पर कांड्रा पंचायत भवन के समीप रविवार के अहले सुबह करीब साढ़े चार बजे ट्रैक्टर चालक को ट्रक ने रौंद दिया। जिससे घटना स्थल पर ही उसकी मौत हो गई। शव की पहचान तरगा निवासी कृष्णा राय (38 वर्ष) के रुप में हुई है। घटना में खलासी अघनू महतो घायल हो गया। घटना के बाद आक्रोशित लोगों ने सड़क जाम करने का प्रयास किया। इस दौरान चार घंटे तक सड़क जाम रहा। परिजन मुआवजे की मांग कर रहे थे। वार्ता के बाद मुआवजे पर सहमति बनी। पुलिस ने लोगों को समझा कर शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बताते हैं कि पंचायत भवन के पास सड़क पार करने के दौरान एक ट्रैक्टर को पीछे से आ रही एक ट्रक ने जोरदार धक्का मार दिया। घटना में ट्रैक्टर चालक की मौत हो गयी। खलासी अघनू महतो सड़क के बीच में डिवाइडर पर गिरकर जख्मी हो गया। ट्रैक्टर तारगा बस्ती से ईंट लोडकर बंगाल की ओर जा रहा था। घायल खलासी अघनु ने बताया कि ट्रैक्टर पर तारगा से ईंट लोडकर पश्चिम बंगाल के पुरुलिया जिला में जा रहे थे। कांड्रा पंचायत भवन के समीप फोरलेन सड़क से मुहदा मोड़ पेट्रोल पंप पर डीजल लेने के लिए सड़क पार करने लगे। तभी पीछे से आ रही एक ट्रक ने जोरदार धक्का मार दिया। धक्का लगने से चालक कृष्णा राय सड़क पर गिर गया। ट्रक का पहिया उसके उपर चढ़ गया। जिसमें चालक की मौत हो गयी। वह डिवाइडर के बीच में बने एक गड्ढे में गिरकर घायल हो गया। उसके सर व पैर में चोटें लगी है। घटना की सूचना पर तारगा बस्ती के लोग पहुंचे। आक्रोशित होकर सड़क जाम करने का प्रयास किया। लेकिन मुहदा थाना प्रभारी धीरज कुमार ने सभी ग्रामीणों को समझा बुझाकर सड़क जाम नहीं करने दिया। ग्रामीण मुआवजे की मांग को लेकर शव को उठाने नहीं दे रहे थे। करीब चार घंटे शव सड़क पर ही पड़ा रहा। सांसद प्रतिनिधि शत्रुघन महतो घटनास्थल पर पहुंचे एवं ग्रामीणों के साथ वार्ता किया। वार्ता में मुहदा थाना प्रभारी धीरज कुमार,सांसद प्रतिनिधि शत्रुघन महतो, भाजपा नेता धनेश्वर महतो, संतोष कुमार महतो, राजेश कुमार महतो आदि थे। बीमा राशि एवं ट्रक मालिक से सहयोग दिलाने का अश्वासन दिया गया। तत्काल सरकारी सहायता 20 हजार रुपये मृतक के भाई बड़े भाई राजनारायण राय को दिया गया। भाजपा के जिला उपाध्यक्ष धनेश्वर महतो, संतोष कुमार महतो, राजेश कुमार महतो,भुनेश्वर गोप, मधुसुदन मिश्रा आदि ने भी आर्थिक सहयोग किया। सुबह करीब आठ बजे मुहदा पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए धनबाद भेज दिया।

जेबीकेएसएस केंद्रीय कमेटी के निर्देशानुसार केंद्रीय महासचिव महिला मोर्चा उषा महतो के नेतृत्व में सिंदरी विधानसभा बड़ा पिछड़ी पंचायत कुरमीडीह गांव में महिला मोर्चा संगठन विस्तार बूथ कमेटी मजबुती किया गया

धनबाद।

झारखंडी भाषा खतियान संघर्ष समिति इस बार आगामी सिंदरी विधानसभा चुनाव में ऐतिहासिक जीत को लेकर बिल्कुल तैयारी कर चुकी है इसी दरम्यान झारखंडी भाषा खतियान संघर्ष समिति केंद्रीय कमेटी के निर्देशानुसार आज धनबाद जिले अंतर्गत गोविंदपुर प्रखंड बरवाअड्डा ज़ोन के बड़ा पिछड़ी पंचायत कुरमीडीह गांव में लगभग दो सौ महिलाओं के उपस्थिति में महिला मोर्चा संगठन विस्तार, प्रखंड कमिटी पंचायत कमेटी और बुथ स्तरीय कमेटी के मजबुती प्रदान करने का निर्णय लिया गया केंद्रीय महासचिव उषा महतो के उपस्थिति से बरवाअड्डा ज़ोन क्षेत्र में महिला मोर्चा संगठन विस्तार को लेक र पुरे बड़ा पिछड़ी पंचायत और बरवाअड्डा ज़ोन क्षेत्र में उत्साह का

माहौल संचार हुआ धनबाद जिला मिडिया प्रभारी युवा क्रांतिकारी रंजीत कुमार महतो ने कहा कि इस बार सिंदरी विधानसभा चुनाव में ऐतिहासिक बदलाव होगा मौके पर उपस्थित झारखंडी भाषा खतियान संघर्ष समिति के केंद्रीय महासचिव महिला मोर्चा उषा महतो धनबाद जिला मिडिया प्रभारी युवा क्रांतिकारी रंजीत कुमार महतो बरवाअड्डा ज़ोन अध्यक्ष हरेंद्र रजक केंद्रीय सचिव युवा मोर्चा पप्पु पहाड़ी महतो केंद्रीय उपाध्यक्ष युवा मोर्चा छोटा टाइगर छोटू रजक धनबाद जिला उपाध्यक्ष प्रेम रजक आदि सभी ने झारखंडी भाषा खतियान संघर्ष समिति व झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के महिला मोर्चा संगठन विस्तार गोविंदपुर प्रखंड कमेटी और बूथ स्तरीय कमेटी के मजबुती के लिए झारखंडी भाषा खतियान संघर्ष समिति के मिशन और केंद्रीय अध्यक्ष टाईगर जयराम महतो के विचारधाराओं को जन जन तक पहुंचाने का निर्णय लिया गया और सिंदरी विधानसभा चुनाव में इस बार ऐतिहासिक जीत के लिए संकल्प लिया गया मौके पर केंद्रीय महासचिव महिला मोर्चा उषा महतो धनबाद जिला मिडिया प्रभारी युवा क्रांतिकारी रंजीत कुमार महतो केंद्रीय सचिव युवा मोर्चा पप्पु पहाड़ी महतो बरवाअड्डा ज़ोन अध्यक्ष हरेंद्र रजक केंद्रीय उपाध्यक्ष युवा मोर्चा छोटू रजक धनबाद जिला उपाध्यक्ष प्रेम रजक अशोक साव गुंजा देवी किरण देवी यशोदा देवी राखी देवी रीना देवी गीता देवी संजोती कुमारी रंजू देवी ऐसा बीबी उषा देवी सुनीता देवी शांति देवी लक्ष्मी देवी नोमिता देवी आदि लगभग दो सौ महिलाओं की उपस्थिति हुई

अज्ञात वाहन की चपेट में आने से बाइक सवार युवक की मौत

श्रम बिंदु/संवादाता । निमियाघाट थाना क्षेत्र के खाकीकला के समीप अज्ञात वाहन की चपेट में आने से बाइक सवार एक युवक की मौके पर मौत हो गयी. घटना के बाद स्थानीय लोगों ने युवक को डुमरी रेफरल अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत्यु घोषित कर दिया. मृतक की पहचान पोरदाग निवासी किशोरी महतो के पुत्र प्रकाश महतो (22) के रूप में हुई. वह इसरी बाजार से अपनी बाइक से घर लौट रहा था. इसी दौरान अज्ञात वाहन ने उसे अपनी चपेट में ले लिया.

हूल क्रांति दिवस के उपलक्ष्य में सिद्धू कान्हू के मुर्ती पर किया गया माल्यार्पण

ईचागढ़। सरायकेला-खरसावां जिला के ईचागढ़ प्रखंड क्षेत्र में हूल दिवस धुमधाम से मनाया गया। सिद्धू कान्हू के मुर्ती पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित किया गया। गौरांगकोचा के ब्लॉक मोड़ पर सिद्धू-कान्हू के मुर्ती पर समाजसेवियों ने माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित किया। वहीं सिद्धू कान्हू ,चांद, भैरव की विरता की गाथा पर प्रकाश डाला गया। झारखंड के बीर माटी के बीर सुपुत्रों को याद किया गया। समाज सेवी भूषण चन्द्र मुर्मू ने कहा कि आज के दिन अंग्रेजों के खिलाफ आदिवासीयों ने अपने हक अधिकार के लिए प्रथम विद्रोह किया गया था। उन्होंने कहा कि अपने पारम्परिक हथीयार तीर धनुष, टांगी,फरसा से अंग्रेजी हुकूमत और उनके आधुनिक अग्नेयास्त्र को ललकारने का अदम्य साहस बीर सिद्धु कान्हू चांद भैरव ने दिखाया। उन्होंने कहा कि आदिवासी समाज ने अंग्रेजी हुकूमत को झकझोर कर रख दिया था और अंत में वीरगति को प्राप्त हुआ। उन्होंने कहा कि सिदधु कान्हु चांद भैरव से हमें प्रेरणा लेने की आवश्यकता है।

सहायक अध्यापक संघ डुमरी इकाई द्वारा मशाल जुलूस निकाला गया

- वादा पूरा करो झारखंड सरकार कार्यक्रम के तहत सहायक अध्यापकों ने निकाला मशाल जुलूस,लगाए सरकार विरोधी नारे

डुमरी।

सहायक अध्यापक संघ डुमरी प्रखंड कमिटी द्वारा रविवार की शाम वादा पूरा करो झारखंड सरकार कार्यक्रम के तहत मशाल जुलूस निकाला गया। यह जुलूस केबी उच्च विद्यालय से निकल कर वनांचल चौक होते हुए बेरमो मोड़ तक गया इस दौरान शामिल सहायक अध्यापकों के द्वारा अपने मांगों के समर्थन में जमकर नारेबाजी कर रहे थे। साथ ही राज्य सरकार पर वादा खिलाफी का आरोप लगा रहे थे इस मशाल जुलूस के समापित के बाद अध्यापकों को संबोधित करते हुए सहायक अध्यापक संघ के जिला संयोजक डीलचंद महतो ने कहा कि हेमंत सोरेन ने चुनाव से पूर्व वादा किया था कि हमारी सरकार बनते ही 3 महीना के अंदर स्थायीरण,वेतनमान,अ नुकम्पा पर नौकरी देने का काम करेंगे। लेकिन अभी सरकार के साढ़े चार साल पूरे हो गए हैं,ना ही वेतनमान मिला है और ना ही समतुल्य मानदेय।जिससे राज्य भर के सभी सहायक अध्यापकों में आक्रोश है। वहीं आगे की रणनीति बताते हुए उन्होंने कहा कि आगामी 8 जुलाई को उपायुक्त गिरिडीह को ज्ञापन सौंपा जाएगा।वहीं 20 जुलाई से मुख्यमंत्री आवास का अनिश्चितकालीन घेरा डालो डेरा डालो कार्यक्रम किया जाएगा। मशाल जुलूस में विनोद महतो,महादेव महतो,नागेश्वर पंडित, जयलाल मिर्धा,अरुण कुमार आजाद,लोकनाथ यादव, विनोद यादव,कैलाश सिंह,तुलसी महतो,सुरेश महतो, ईश्वर महतो,विजय महतो,अशोक पांडेय,अशोक चौधरी, कदीर अंसारी,उदय सिंह,राजकुमार पांडे आदि सहित अन्य सहायक अध्यापक शामिल थे।

साढ़े पांच करोड़ की लागत से निर्माणाधीन पुल पहली वर्षा में ही गिरा

संवाददाता।

गिरिडीह। बिहार के बाद अब झारखंड में भी एक निर्माणाधीन पुल गिर गया है।गिरिडीह में साढ़े पांच करोड़ की लागत से अरगा नदी पर बन रहा पुल धराशायी हो गया।बताया जाता है कि तेज बारिश के बाद पुल का पिलर धंस गया जिसके बाद गार्डर टूटने से पुल जमींदोज हो गया। बता दें कि इससे पहले बिहार में 11 दिनों में 5 पुलों के गिरने की खबर सामने आ चुकी है। जिले के देवरी प्रखंड में अरगा नदी पर बन रहा पुल पहली बारिश में ही धंस गया। यह पुल फतेहपुर-भेलवाघाटी सड़क पर कारीपहरी गांव में अरगा नदी के ऊपर बनाया जा रहा था। बता दें कि शनिवार

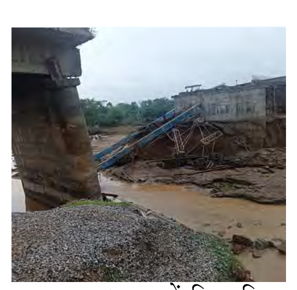

की शाम में हुई मूसलाधार बारिश से नदी का जलस्तर बढ़ गया था। जिसके कारण नदी की तेज बहाव में निर्माणधीन पुल का पिलर धंस गया, जिससे गार्डर टूट कर गिर गया। वहीं एक अन्य पिलर भी टेढ़ा हो गया। स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि तेज बारिश के दौरान रात करीब आठ बजे एक पाया टेढ़ा हो गया। इसके बाद तेज आवाज के साथ निर्माणाधीन पुल का गार्डर टूट कर नदी में गिर गया।आवाज इतनी तेज थी कि उसे सुनकर आसपास के घरों में रहने वाले लोग बुरी तरह डर गए।यह पुल फतेहपुर-भेलवाघाटी सड़क पर कारीपहरी गांव में अरगा नदी के ऊपर बनाया जा रहा था जो मानसून की पहली बारिश भी नहीं झेल पाया। दरअसल शनिवार की शाम में हुई मूसलाधार बारिश से नदी का जलस्तर बढ़ गया था। मिली जानकारी के अनुसार इस पुल का निर्माण साढ़े पांच करोड़ की लागत से करवाया जा रहा था।जिसको बनाने का ठेका ओम नमः शिवाय नाम की कंस्ट्रक्शन कंपनी को मिला था।

मशाल जुलूस निकाल कर सहायक अध्यापकों ने सरकार के खिलाफ किया गया उलगुलान

श्रमबिंदु /धनबाद ।

सहायक अध्यापक संघर्ष मोर्चा के बैनर तलेह वादा पुरा- करो सरकार , राज्यव्यापी कार्यक्रम के तहत आज 30 जून 2024 को वेतनमान सहित अन्य मांगो को लेकर झारखण्ड सहायक अध्यापक संघर्ष मोर्चा बाघमारा - तोपचांची प्रखंड इकाई के कतरास कांलेज से मशाल जुलूस निकाला गया, जिसका नेतृत्व जिला प्रदेश अध्यक्ष सिद्दीक शेख,जिला अध्यक्ष अशोक चक्रवर्ती, रमेश सिंह, बीरेन्द्र शर्मा। छोटन प्रसाद राम कर रहे थे ।

सरकार पर वादाखिलाफी का लगाया आरोप

आज हुल दिवस पर मशाल जुलूस के माध्यम से आंदोलन का शंखनाद किया गया,अपने पुराने आंदोलन की तरह शंकुल- प्रखंड से जिला मुख्यालय तक (पारा शिक्षक) की संकल्प सभा होगी । 30 जून हुल दिवस पर राज्य के सभी जिला मुख्यालयों में मशाल जुलूस निकाल कर सरकार के प्रतिकार किया गया , अगर मांगो पर सकारात्मक पहल नही की गई तो 20 जुलाई से मुख्यमंत्री आवास का अनिश्चितकालीन घेराव किया जायेगा।

प्रदेश अध्यक्ष सिद्दीक शेख ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सरकार बनने के तीन माह में वेतनमान देने वायदा कर सवा चार वर्षो में भी पूरा नहीं किया, पिछले चार माह से राज्य में चंपई सोरेन जी की सरकार है, जो स्वयं को हेमंत पार्ट 2 कहते हैं लेकिन इसमें भी पारा शिक्षकों का कुछ काम नहीं हुआ ।

जिला अध्यक्ष अशोक चक्रवर्ती वर्तमान समय में राज्य के 62 हजार पारा शिक्षक सरकार बनने के साढ़े चार वर्ष बीतने के बावजूद वेतनमान नहीं मिलने, ईपीएफ तथा अनुकंपा नहीं मिलने, आंदोलन के क्रम में रघुवर सरकार द्वारा किए गए केस वापसी नहीं होने सहित विभिन्न मांगों की पूर्ति नहीं हुआ। उन्होने कहा कि झारखंड में सहायक अध्यापक राजनीति षड़यंत्र के शिकार हुए है, हमारा राज्य खनिज- संपदा रहने के बावजूद यहां के सहायक अध्यापक बदहाल है ।

मांग

(1) वेतनमान एवं राज्यकर्मी का दर्जा----- सहायक अध्यापकों को अल्पसंख्यक विद्यालयों में नियुक्त शिक्षकों के तर्ज पर वेतनमान (9300---34800) एवं बिहार राज्य के तर्ज पर राज्यकर्मी का दर्जा प्रदान किया जाय।

2- सहायक अध्यापकों को कर्मचारी भविष्य निधि का लाभ यथाशीघ्र दिया जाय।

3- झारखण्ड अधिविध परिषद राँची के हठधर्मिता के कारण आकलन परीक्षा के प्रश्नों के त्रुटिपूर्ण उत्तर के संशोधित परिणाम यथाशीघ्र जारी करने के साथ-साथ आकलन उत्तीर्णता के प्रमाण पत्र एवं द्वितीय आकलन परीक्षा आयोजित किया जाय। द्वितीय आकलन परीक्षा में ईडब्ल्यूएस एवं दिव्यांग अभ्यर्थियों को नियमानुसार अंकों का अधिभार दिया जाए

(4) सहायक अध्यापक सेवा शर्त नियमावली 2021 में अंकित प्रावधानों के अनुरूप सहायक अध्यापकों को अनुकंपा का लाभ सहायक अध्यापकों के आश्रितों को योग्यता अनुरूप लचीला किया जाय ।

मशाल जुलूस कार्यक्रम में मुख्य रूप से

(5) सहायक अध्यापकों के साथ सामाजिक न्याय करते हुए आंगनबाड़ी सेविका / सहायिका की तरह सेवानिवृत्ति 65 वर्ष किया जाय ,

6-बिहार सरकार के नियोजित शिक्षकों की तरह सीटेट एवं आकलन उत्तीर्ण सहायक अध्यापकों को टेट के समतुल्य लाभ दिया जाय ।

बैठक में मुख्य रूप से परितोष महतो ,संजय सिंह, बलराम महतो,साजीद शेख, नरेंद्र सिंह(गुड्डू) इम्तियाज शेख, जितेन्द्र सिंह कार्तिक रवानी, पिंकी कुमारी, प्रतिमा कुमारी,मुनमुन सरकार, मंजु देवी,रुबीना बानो , रूबिना कौशर,दिनेश तिवारी,पंकज प्रमाणिक, पुरण महतो, हरभजन सिंह, जयदेव चौबे,इमदाद, गोरखनाथ गुप्ता, ग्रीन्दर यादव, सुनील राम मुख्य रूप से उपस्थित थे

स्वामी, शिव श्रीवास्तव के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक संतोष पाठक द्वारा फ्लैट नं. 4 ई नलिनी पैलेस, एलबर्ट कम्पाउंड पुरुलिया रोड, रांची 8340 01 से प्रकाशित तथा फारूकी तंजीम प्रेस चटर्जी कम्पाउण्ड बहुबाजार से मुद्रित।
संपादक संतोष पाठक *पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार चयन हेतु जिम्मेदार मो. 7979985594 ईमेल - shrambindujharkhand@gmail.com